संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-34 ❖ मुंबई ❖ रविवार 14 से 20 अगस्त 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-
RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग न्यूज पेपर की तरफ से सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ईडी सरकार में 75 प्रतिशत मंत्रियों पर हैं आपराधिक मामले दर्ज : मुख्यमंत्री अव्वल!

मुंबई, शिंदे गुट की बगावत के बाद शिंदे-फडणवीस यानी 'ईडी' सरकार बनने के बाद एक चौंकानेवाली बात सामने आई है। 'ईडी' सरकार के मंत्रिमंडल में तकरीबन ७५ प्रतिशत मंत्रियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉम्र्स (एडीआर) के अनुसार महाराष्ट्र के ७५ प्रतिशत मंत्रियों ने स्वयं अपने ऊपर दर्ज आपराधिक मामलों का खुलासा किया है। राज्य मंत्रिमंडल विस्तार के बाद एसोसिएशन फॉर डेमोव्रेâटिक रिफॉम्र्स और महाराष्ट्र इलेक्शन वॉच ने २०१९ के विधानसभा चुनाव के दौरान सभी मंत्रियों द्वारा स्वयं प्रस्तुत किए गए प्रतिज्ञा पत्र का विश्लेषण किया। उसमें यह बात सामने आई है। विश्लेषण के अनुसार कुल २० मंत्रियों में से १५ मंत्री यानी ७५ प्रतिशत मंत्रियों ने स्वयं फौजदारी मामले को उजागर किया है। १३ यानी ६५ प्रतिशत मंत्रियों ने खुद गंभीर अपराध दाखिल होने की बात बताई है, इनमें से सबसे अधिक १८ मामले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर हैं तो चार गंभीर मामले उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ दर्ज हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार सभी मंत्री करोड़पति हैं और उनकी संपत्ति का मूल्य तकरीबन ४७.४५ करोड़ है। सर्वाधिक संपत्ति मलबार हिल निर्वाचन क्षेत्र के विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा के पास ४४१.६५ करोड़ रुपए की है। सबसे कम संपत्ति पैठन निर्वाचन क्षेत्र के विधायक व मंत्री संदीपान भुमरे की है। ४० प्रतिशत मंत्रियों ने अपनी योग्यता १०वीं से १२वीं तक बताई है।

शिंदे सरकार में 'दागी' मंत्रियों को शामिल करने पर

अजित पवार का हमला, कहा- उनके लोग भी हैं नाखुश

पुणे: राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के वरिष्ठ नेता अजित पवार (Ajit Pawar) ने शनिवार को महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार पर हमला बोला। अजित पवार ने शिंदे कैबिनेट में 'दागी' मंत्रियों को शामिल किए जाने की आलोचना की और कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन में भी कुछ लोगों को उनका शामिल किया जाना पसंद नहीं आया है।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के 30 जून को शपथ लेने के एक महीने बाद मंगलवार को 18 मंत्रियों को सरकार में शामिल किया गया था।

अजित पवार ने दावा किया कि महाराष्ट्र सरकार में कई दागी मंत्रियों को शामिल किया गया है। कई लोगों को यह फैसला पसंद नहीं आया। यहां तक कि शिंदे-फडणवीस सरकार के भी कुछ लोगों को इनका शामिल किया जाना पसंद नहीं आया। रुपया सहकारी बैंक के बंद होने के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा कि इसे बचाने के प्रयास किए गए, लेकिन आठ अगस्त को इसका लाइसेंस रद्द कर दिया गया। महा विकास अघाड़ी पर कही बड़ी बात उन्होंने कहा कि पुणे जिले में ऐसे पांच से सात बैंक हैं। हमने अनुभवी सहकारी बैंकर विद्याधर अनस्कर से सुझाव मांगे हैं। महाराष्ट्र में बैंकों को कठिनाइयों का सामना नहीं करना चाहिए। शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस गठबंधन वाले महा विकास अघाड़ी की स्थिति पर एक सवाल के जवाब में पवार ने कहा कि एमवीए पर अंतिम निर्णय लेने का अधिकार सोनिया गांधी, शरद पवार और उद्धव ठाकरे के पास सुरक्षित है।

ईडी, सीबीआई से घबराता नहीं अब जनता ही लेगी बदला! नीतीश कुमार का करारा जवाब

पटना, ईडी, सीबीआई की कार्रवाइयों से हम नहीं घबराते। केंद्र में सत्ता दल ने केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर अति कर दी है। अब जनता ही बदला लेगी, ऐसे शब्दों में बिहार के मुख्यमंत्री और संयुक्त जनता दल के नेता नीतीश कुमार ने मोदी सरकार को करारा जवाब दिया है। केंद्र में सत्ता दल भाजपा द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग शुरू है। इस ओर पत्रकारों ने नीतीश कुमार का ध्यान आकर्षित किया। इस पर उन्होंने कहा कि जो कोई किसी भी मामले का दुरुपयोग करेगा, जनता उसका बदला

लेगी। केंद्रीय जांच एजेंसियों के दबाव के आगे बिहार में महागठबंधन सरकार नहीं झुकेगी। ईडी और सीबीआई की अति हो गई है। इसका बदला लिया जाएगा, ऐसी चेतावनी नीतीश कुमार ने दी। केंद्र राज्य के बंटवारे में कटौती नहीं कर सकती क्या, ऐसा सवाल नीतीश कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि क्या होनेवाला है, एक बात सबके सामने है। देश संविधान के अनुसार चलता है। केंद्र को क्या करना है, उसका संवैधानिक प्रावधान है। विभिन्न राज्यों का अधिकार क्या है? सब कुछ तय किया गया है। उन्होंने कहा कि अगर इसमें कोई अड़चन होती है, तो केंद्र सरकार को इसका जवाब देना होगा।

महाजन-मुंडे परै दरकिनारी का साया ऐसे ही खडसे को खयाल आया

मुंबई, महाराष्ट्र सहित देश में भाजपा को बढ़ाने के लिए भाजपा नेता स्व. प्रमोद महाजन और स्व.गोपीनाथ मुंडे ने अपना जीवन कुर्बान कर दिया। उसी मुंडे-महाजन परिवार पर भाजपा से `दरकिनारी' का साया छाया हुआ है यानी इस परिवार को भाजपा से दूर किया जा रहा है। यह बात राकांपा मेता एकनाथ खडसे के खयाल में आने के बाद भाजपा की इस गुप्त नीति का उन्होंने पर्दाफाश किया है।

बता दें कि भाजपा नेता पंकजा मुंडे ने कल एक बयान दिया था कि मैं मंत्री पद के

योग्य नहीं हूं, ऐसा वरिष्ठों को लग रहा है। पंकजा के इस बयान के बाद वर्तमान समय में राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म है। पंकजा मुंडे ने आगे यह भी कहा कि मैं स्वाभिमान की राजनीति करने का प्रयास करती हूं। राकांपा नेता एकनाथ खडसे से पत्रकारों ने जब पंकजा मुंडे के बयान पर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि भाजपा को आगे बढ़ाने वाले मुंडे-महाजन परिवार के साथ सतत भाजपा में अन्याय हो रहा है, जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण पंकजा मुंडे हैं। हालांकि इसके साथ ही खडसे ने यह भी कहा कि मंत्रिमंडल का विस्तार अभी अधूरा दिखाई दे रहा है, आनेवाले दिनों में पूरा होगा। उसमें भी पंकजा मुंडे का समावेश होगा, इसकी संभावना कम दिखाई दे रही है।

विश्व में रेलवे की सबसे बड़ी आर्क की लांचिंग संपन्न, अब कश्मीर पहुंचेगी रेल

जम्मू, दुनिया के सबसे ऊंचे सिंगल-आर्क रेलवे पुल का ओवर आर्क डेक की लांचिंग हो गई है। शनिवार को इसे लांच किया गया। इस दौरान पुल पर अमृत महोत्सव के अवसर पर तिरंगा ध्वज भी फहराया गया। इस पुल के बनने के बाद श्रीनगर शेष भारत से रेल नेटवर्क के माध्यम से जुड़ने जा रहा है।

अगले वर्ष तक इस पर पटरी बिछाने का काम भी पूरा हो जाएगा। सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इस पुल पर सुरक्षा मानकों का पूरा ध्यान रखा गया है। इस आर्क को बनाने में अब तक १४८० करोड़ रुपए खर्च आया है।

जम्मू संभाग के रियासी जिले में चिनाब दरिया पर ये आर्क ब्रिज बन रहा है, जो एफिल टॉवर से भी ३५ मीटर ऊंचा है। इसके आर्क की चिनाब नदी के जलस्तर

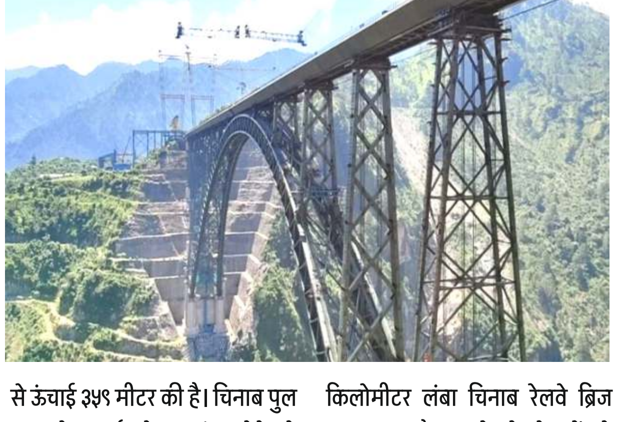

से ऊंचाई ३५९ मीटर की है। चिनाब पुल का ओवरआर्क डेक लांच होने से सलाल-ए और डुगा रेलवे स्टेशन दोनों ओर से जुड़ गए हैं। अब रेल पटरी बिछाने का कार्य दिसंबर माह तक पूरा करने का लक्ष्य भी रखा गया है। १.३१५ किलोमीटर लंबा चिनाब रेलवे ब्रिज सलाल-ए और डुगा रेलवे स्टेशनों को आपस में जोड़ेगा।

रेलवे के उधमपुर-बारामूला लिंक के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सुरेंद्र माही ने इस मौके पर खुशी जताते हुए कहा कि अब श्रीनगर तक रेल पहुंचने में अधिक समय नहीं लगेगा। एक वर्ष के भीतर सभी काम पूरे हो जाएंगे। अगले वर्ष तक लोग रेल से श्रीनगर तक सफर कर सकते हैं।

माही ने बताया कि यह आर्क विश्व में रेलवे का सबसे बड़ा आर्क है। इस पर अभी तक १४८० करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। इसमें सुरक्षा मानकों का पूरा ध्यान रखा गया है। इस पुल पर जब ट्रेन गुजरेगी तो हवा की गति १२० किलोमीटर प्रति घंटा होगी लेकिन रेलवे ने २६० किलोमीटर प्रति घंटा गति तक सहन करने की क्षमता बनाई हुई है। यह पुल १.३१५ किलोमीटर लंबा है। यह सबसे ऊंचा रेलवे पुल एफिल टॉवर से भी ३५ मीटर ऊंचा है। इसकी नदी तल से ऊंचाई ३५९ मीटर है।

मुंबई की सड़कों से गड्ढे गुल! मनपा ने एक महीने में भरे 11 हजार गड्ढे

मुंबई, मुंबईकरों को उत्तम सड़क व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए मनपा ने ९ जुलाई से ९ अगस्त तक कुल ११,३७३ गड्ढों को पाटने का काम किया है। मतलब मुंबई की सड़कों से गड्ढे गुल हो रहे हैं। मनपा के पास अप्रैल से अब तक कुल २२,१७० शिकायतें मिली हैं। इसमें सबसे अधिक पश्चिमी उपनगर से १०,२१२ शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। बता दें कि मनपा के अधिकार क्षेत्र में कुल २,०५५ किलोमीटर लंबी सड़कें हैं, जिसमें से १,०३० किलोमीटर डांबर की हैं, तो १,०५० किलोमीटर कंक्रीट की हैं। इसमें डांबर वाली सड़कों पर बारिश के समय पानी जमा होने पर गड्ढे होना स्वाभाविक होता है। लेकिन मनपा ने मुंबईकरों को बरसात में बेहतर सड़क व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए सड़क के गड्ढों को पाटने का अभियान चलाया है। ९ जुलाई से ९ अगस्त तक मनपा ने कुल ११,३०० गड्ढों को पाटने का काम किया है।

किराये पर आजादी

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने फैसला किया है कि घरेलू उड़ानों के किराये पर सरकार द्वारा लगाई गई अधिकतम और न्यूनतम की सीमा 31 अगस्त से समाप्त कर दी जाएगी। इसके साथ ही हवाई यात्रा पर कोविड के मद्देनजर लगाई गई पाबंदियों का यह आखिरी हिस्सा भी उठ जाएगा। दरअसल, कोविड के खतरे के मद्देनजर लगाया गया 40 दिनों का लॉकडाउन समाप्त होने के बाद जब घरेलू हवाई यात्रा को मंजूरी दी गई तो सरकार ने किराये में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव की आशंका समाप्त करने के लिए किराये की सीमा तय की थी। तब उड़ानों की अवधि के आधार पर उन्हें सात श्रेणियों में बांटते हुए हर श्रेणी का अधिकतम और न्यूनतम किराया तय कर दिया गया था। उदाहरण के लिए, 40 मिनट से कम की फ्लाइट के लिए किराया 2900 रुपये से कम और 8800 रुपये से ज्यादा नहीं रखा जा सकता था। उस असामान्य दौर में तो यात्रियों को इन पाबंदियों ने काफी राहत दी, लेकिन किसी भी सेक्टर के फलने-फूलने में इस तरह की पाबंदियां बाधा ही साबित होती हैं। इसलिए धीरे-

धीरे इन पाबंदियों की सख्ती कम की गई, और अब जब हालात करीब-करीब सामान्य हो गए हैं तो इन्हें पूरी तरह से हटाने का फैसला ले लिया गया, जो बिल्कुल सही है। हालांकि इसके बावजूद यह देखना होगा कि इतने लंबे समय के बाद ये पाबंदियां हटाए जाने का एविएशन सेक्टर पर कैसा प्रभाव पड़ता है। इस बीच यात्रियों की संख्या में कमी तो एक मसला रही है, लेकिन विमान ईंधन के मूल्यों में बढ़ोतरी एयरलाइंस कंपनियों के लिए बहुत बड़ा सिरदर्द साबित हो रही थी। अच्छी बात यह है कि रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद पिछले कुछ हफ्तों से इसमें गिरावट देखी जा रही है। गत 1 अगस्त को एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमत दिल्ली में 1.21 लाख रुपये प्रति किलोलीटर थी, जो पिछले महीने के मुकाबले 14 फीसदी कम थी। पाबंदी हटाने का फैसला इन तमाम बातों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इसीलिए यह माना जा रहा है कि पाबंदी हटने के बाद भी हवाई किराये में अचानक बहुत बड़ा बदलाव नहीं होगा। अभी भी किसी श्रेणी में हवाई किराया अधिकतम या न्यूनतम सीमा के बिल्कुल करीब नहीं है। बावजूद इसके किराये में थोड़ा-बहुत उतार-चढ़ाव दिख सकता है। कुछ उन रूटों पर जहां यात्रियों की संख्या ज्यादा है, किराये में बढ़ोतरी हो सकती है तो कम यात्री वाली रूटों पर उन्हें आकर्षित करने के लिए किराया कम किया जा सकता है। इसके अलावा इस संभावना से भी पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता कि आपसी कॉम्पिटिशन के चक्कर में एयरलाइंस के बीच प्राइस वॉर शुरू हो जाए। लेकिन किसी भी सेक्टर में ग्रोथ की यह स्वाभाविक प्रक्रिया मानी जाती है। कुछ समय की बढ़ोतरी और गिरावट के बाद कीमतें डिमांड सप्लाई नियम के मुताबिक संतुलित हो जाएंगी। सरकार द्वारा कृत्रिम तरीकों से जबरन कीमतें कम या ज्यादा रखने के मुकाबले यह स्थिति सबके लिए कहीं बेहतर होगी।

कितनी बदलेगी सियासत

किरीट ए. चावड़ा

बिहार में मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार और उप-मुख्यमंत्री के रूप में तेजस्वी यादव के शपथ ग्रहण के साथ ही एनडीए के हाथ से एक अहम राज्य निकल गया। करीब डेढ़ महीना पहले महाराष्ट्र में शिवसेना के एक धड़े का समर्थन लेकर बीजेपी ने वहां की महाविकास आघाड़ी सरकार गिराई थी। महाराष्ट्र जैसे एक प्रमुख राज्य पर फिर से कब्जा करना उसकी बड़ी सफलता थी तो बिहार काबिहार में बीजेपी की मुश्किलहाथ से निकलना उतना ही बड़ा झटका है। महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं तो बिहार में 40 सीटें। पिछले लोकसभा चुनावों में बिहार की इन 40 में से 33 सीटें जेडीयू-बीजेपी को मिली थीं। जाहिर है, 2024 में महागठबंधन से लोहा लेते हुए इतनी सीटें हासिल करना बीजेपी के लिए मुश्किल होगा। इसके अलावा नीतीश कुमार के रूप में विपक्ष को एक प्रभावशाली चेहरा भी मिला है, जिसके अपने फायदे हैं। जाहिर है, इन सबसे विपक्ष का मनोबल बढ़ा है। इसी साल मार्च में पांच राज्यों में हुए चुनावों में बीजेपी ने यूपी, गोवा और उत्तराखंड में सत्ता बनाए रखी थी, तब लगा था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के सामने शायद ही कोई टिक पाएगा। इस स्थिति में बिहार की सत्ता में महागठबंधन की वापसी के बाद कुछ बदलाव हुआ है। मार्च में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के बाद विपक्षी खेमे में जो निराशा घर कर गई थी, बिहार में बीजेपी के सत्ता से बाहर होने के बाद वह जरूर कम होगी। इसी साल गुजरात और हिमाचल में विधानसभा चुनाव होने हैं। दोनों ही राज्यों में बीजेपी सत्ता में है। बिहार के बाद हो सकता है विपक्ष इन राज्यों में अधिक ताकत से उसका मुकाबला करे। वैसे, बिहार में हुए बदलाव ने बीजेपी को भी एक मौका दिया है। महागठबंधन के सत्ता में आने के बाद वह वहां विपक्ष की अकेली आवाज बन गई है। बीजेपी को यह भी लगता है कि जेडीयू और आरजेडी की कास्ट पॉलिटिक्स का तोड़ हिंदुत्व हो सकता है। पार्टी का दावा है कि बिहार में हिंदुत्व की अपील बढ़ी है। तथ्य यह भी है कि नीतीश की लोकप्रियता में भी पहले की तुलना में कमी आई है। पिछले विधानसभा चुनाव में आरजेडी अलायंस के मजबूत प्रदर्शन का यही कारण था। अब आरजेडी, नीतीश के साथ है, इसलिए यह सवाल भी मौजूं है कि कहीं लोकसभा चुनाव में नीतीश के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर का महागठबंधन को नुकसान ना उठाना पड़े! इसके साथ, सत्ता छिन जाने की वजह से बीजेपी के आगामी लोकसभा चुनाव में बिहार में कमजोर प्रदर्शन का अनुमान लगाना भी अभी जल्दबाजी होगी। उसकी वजह यह है कि लोकप्रियता के मामले में अभी देश में कोई भी नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुकाबला नहीं कर सकता।

गणेश पाण्डेय

क्या ताइवान पर गलती कर रहा है चीन

अमेरिकी संसद की स्पीकर नैंसी पेलोसी ताइवान आकर तो चली गईं, मगर चीन ने अपने आक्रामक रुख में कोई कमी नहीं की। रविवार को लाइव फायर ड्रिल का पहला चरण खत्म हुआ और चीन ने कह दिया कि वह और लाइव फायर ड्रिल करेगा। अपने बड़े जहाज, मिसाइलें और एडवांस तकनीक तैनात करके वह अमेरिका और ताइवान, दोनों को अपना गुस्सा दिखा रहा है। दुनिया को बताना चाह रहा है कि वह अब सन 1996 वाला चीन नहीं है। 1996 में जब ताइवान के नेता अमेरिका गए थे, तब भी चीन ने युद्धाभ्यास करके शक्ति प्रदर्शन किया था। वही फॉर्म्युला वह इस बार भी रिपीट कर रहा है, लेकिन और अधिक आक्रामकता के साथ। तब चीन खुद को उभरता हुआ देश कहता था। आज वह अपने आपको एक सुपरपावर के रूप में देखता है।

अलग चीन, अलग चुनौतियां

ताइवान के मामले में चीन के मौजूदा रुख के पीछे दो कारक हैं। पहला, चीन ने यह कहकर कि पेलोसी ताइवान ना जाएं, खुद को परेशानी में डाल लिया। एक बार जब ऐसा बयान दे दिया, तब उसके सामने शक्ति प्रदर्शन के अलावा दूसरा कोई चारा नहीं रहा। दूसरा कारक ज्यादा गंभीर है। इसके कई पहलू हैं:

चीन में नैशनल पार्टी कांग्रेस होने जा रही है, जिसमें मौजूदा राष्ट्रपति शी चिन फिंग को चुना जाना महज एक फॉर्मैलिटी है। वह नवंबर से अपना तीसरा कार्यकाल शुरू करेंगे।

शी चिन फिंग इस मौके को ऐतिहासिक तो बनाना ही चाहते हैं, अपना नाम वह तंग श्याओ फिंग और माओ त्से तुंग की तरह इतिहास में भी लिखवाना चाहते हैं। इसके लिए जरूरी है कि वह कहीं से भी कमजोर नेता के रूप में ना दिखें।

मगर चीन के हालात अच्छे नहीं हैं। उसकी जीडीपी ग्रोथ पिछली तिमाही में सिर्फ 0.4% ही रही। जीरो कोविड रणनीति के चलते चीन व्यापार के लिए भी पूरी तरह से नहीं खुला है। उसकी अर्थव्यवस्था की हालत खराब है।

अपने नेतृत्व की मजबूती दिखाने के लिए शी चिन फिंग चाहेंगे कि ताइवान का चीन में विलय हो जाए। इसीलिए चीन ने ताइवान के मसले पर इतना आक्रामक होकर युद्धाभ्यास किया।

लेकिन सवाल है कि इससे चीन को फायदा होगा या नुकसान? यह अभी तक साफ नहीं है, क्योंकि इससे कुछ संभावनाएं बन रही हैं। एक तो ताइवान के अंदर चीन का विरोध तेजी से बढ़ेगा, लोगों में आजादी की भावना और प्रबल होगी। दूसरे, जो बाकी देश हैं हिंद प्रशांत में, वे देख रहे हैं कि किस तरह से चीन एक छोटे से देश पर अपनी ताकत दिखा रहा है। ऐसे में साउथ-ईस्ट एशिया या हिंद महासागर के छोटे देश चीन से और सावधान हो जाएंगे। वहीं, हिंद प्रशांत में मौजूद भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान, इंडोनेशिया और फिलिपींस जैसे देशों के आर्थिक सुधारों व विकास पर भी इसका प्रभाव पड़ेगा। इसका खामियाजा चीन को लंबे समय तक भुगतना पड़ सकता है।

बेवजह का शक्ति प्रदर्शन

ताइवान के आसपास चीन अपनी ताकत तो दिखा रहा है, पर वह अच्छे से जानता है कि ताइवान पर सीधे हमला नहीं कर सकता। ताइवान अपनी रक्षा कर सकता है। वह यूक्रेन जैसा नहीं है। उसकी डिफेंसिव तकनीकें बहुत अच्छी हैं। वह तकनीकी रूप से बहुत एडवांस देश है। फिर ताइवान के पास पिछले कई दशकों से अमेरिका का भी बड़ा डिफेंस सपोर्ट है। इसीलिए चीन बस शक्ति प्रदर्शन ही कर सकता है, और कुछ नहीं। इससे यह भी रेखांकित होता है कि चीन और अमेरिका के बीच की समस्या अब शीतयुद्ध से भी बड़ी होती जा रही है। इसे शीतयुद्ध नहीं कह सकते। यह कई मायनों में अमेरिका और सोवियत संघ के बीच चले शीत युद्ध से अलग है।

तब सोवियन यूनियन आर्थिक रूप से उतना ताकतवर नहीं था, जितना कि आज चीन है।

ग्लोबल इकॉनमी में चीन का केंद्रीय रोल है। दुनिया भर की निगाहें चीन की इकॉनमी पर बनी रहती हैं। पिछले कुछ दशकों में चीन दुनिया भर का एक तरह से मैन्युफैक्चरिंग हब बन गया था। दुनिया भर में सप्लाई चीन से आ रही थी, तो एक तरह से वह ग्लोबल इकॉनमी को आगे बढ़ा रहा था।

हालांकि अब चीन उस रोल को नहीं निभा पा रहा है, लेकिन फिर भी तत्कालीन सोवियत यूनियन के मुकाबले वह कहीं ज्यादा मजबूत स्थिति में है।

ट्रेड, टैरिफ, साउथ चाइना सी, हिंद प्रशांत- हर जगह चीन ने अपनी दादागीरी दिखाई है। डब्लूटीओ, डब्लूएचओ जैसी ग्लोबल संस्थाओं का उसने दुरुपयोग किया है।

कुल मिलाकर देखें तो चीन की विशिष्ट स्थिति के कारण अमेरिका से उसका तनाव पिछली सदी के शीत युद्ध जैसा रूप नहीं ले सकता।

कई लोगों ने कहा है कि पेलोसी ने चीन को भड़काया। लेकिन अगर हम ताइवान का इतिहास समझें, तो वहां आजादी और अपनी अलग पहचान बनाने की तलब बहुत ज्यादा है। इसे अगर हम अमेरिका की गलती मानते हैं तो ताइवान के साथ अन्याय होगा। अंततः यह ताइवान और उसके लोगों के ऊपर है कि वे क्या चाहते हैं।

कोई भी देश इस तरह से किसी के खिलाफ शक्ति प्रदर्शन करे तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उसे गलत ठहराना चाहिए। चीन जिस तरह का दबाव ताइवान पर डाल रहा है, वह अपने आप में गलत है। ध्यान रहे, यह सिर्फ ताइवान का मसला नहीं है। साउथ चाइना सी से लेकर भारत के साथ सीमा विवाद तक कई ऐसे मसले हैं, जहां चीन अपनी ताकत दिखाता रहा है। अगर चीन शक्ति प्रदर्शन के जरिए ताइवान का स्टेटस बदलता है तो हिंद प्रशांत पर तो इसका प्रभाव होगा ही, उससे बड़ा प्रभाव इसका ग्लोबल ऑर्डर पर पड़ेगा।

बिहार से कैसे बदलेगी देश की सियासत

भूपेन्द्र पटेल

बिहार के सत्ता ढांचे में ऐसी हेरफेर की उम्मीद हाल तक शायद ही किसी ने की होगी। पिछले सत्रह वर्षों से वहां सरकार की धुरी नीतीश कुमार ही बने हुए हैं लिहाजा एक छोर से देखने पर इसमें कोई बदलाव नहीं दिखता। लेकिन बीजेपी जिस तरह पूरे देश में वन-पार्टी सिस्टम बनाने की ओर बढ़ रही है, उसका इस बदलाव में किनारे पड़ जाना किसी ऑफ-बीट खबर जैसा लगता है। बिहार की राजनीति पर नजदीकी से नजर रखने वाले बताते हैं कि इसके संकेत काफी पहले से मिल रहे थे। जेडीयू और बीजेपी का गठबंधन 2020 में हुए विधानसभा चुनाव के समय से ही असहज स्थिति में था। लगभग बराबर के सीट बंटवारे वाले इस गठबंधन में जेडीयू को 25 सीटें एक अन्य एनडीए लोक जनशक्ति पार्टी के चलते गंवानी पड़ीं, जिसके नेता चिराग पासवान उस चुनाव में जितने उत्साह से बीजेपी को अपना समर्थन दे रहे थे, उतने ही आक्रोश के साथ जेडीयू को हराने में जुटे थे।

कहां खटकते थे नीतीश

बीच में दो-ढाई साल का एक वक्फा छोड़ दें तो नीतीश कुमार और उनकी पार्टी जेडीयू लगभग चौथाई सदी से बीजेपी के गठबंधन सहयोगी हैं। इसके बावजूद दोनों के रिश्तों में एक स्तर पर टकराव भी देखा जाता रहा है।

नीतीश ने मंदिर आंदोलन को कभी अपना समर्थन नहीं दिया, न ही ऐसा कोई काम नहीं किया जिससे मुसलमानों में उनके प्रति या उनकी सरकार को लेकर कटुता पैदा हो।

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और जाति जनगणना भी नीतीश कुमार और बीजेपी के बीच स्थायी टकराव के मुद्दे रहे हैं, जिसको लेकर बीजेपी नेतृत्व काफी असुविधा महसूस करता रहा है। वैसे भी, 2020 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार के 43 के मुकाबले 77 सीटें लेकर आई बीजेपी बीते डेढ़ साल में अपनी धमक दिखाने का कोई मौका नहीं चूकती थी। विधानसभा में स्पीकर विजय कुमार सिन्हा (बीजेपी) और नीतीश कुमार के कटु संवाद का विडियो देश भर में इसके प्रमाण की तरह देखा गया। ऊंट की पीठ का आखिरी तिनका साबित हुआ जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह का मामला, जो केंद्र में इस पार्टी के अकेले मंत्री थे। राज्यसभा में कार्यकाल का विस्तार न मिलने से उन्हें यह पद छोड़ना पड़ा। जेडीयू के लोगों का कहना है कि बीजेपी उन्हें आगे करके जेडीयू को तोड़ने की कोशिश ठीक उसी तरह कर रही थी, जैसे महाराष्ट्र में हाल ही में शिवसेना के साथ की गई है।

बहरहाल, वह गठबंधन टूट चुका है और वह सरकार भी जा चुकी है। नीतीश कुमार अब गठबंधन नहीं, 'महागठबंधन' के मुख्यमंत्री हैं, जिसमें सात पार्टियां- जेडीयू और लालू यादव की पार्टी आरजेडी के अलावा कांग्रेस, तीनों वामदल और जीतनराम मांझी की 'हम' के साथ-साथ एक निर्दलीय विधायक भी शामिल हैं। इस गठबंधन के पास विधानसभा में दो तिहाई बहुमत है और इसकी जमीनी शक्ति भी काफी है, लेकिन इतने घटकों को समायोजित करना कठिन है और जेडीयू की छोटी ताकत इस बार भी समस्या बनी रहेगी।

विधानसभा चुनाव के बाद कार्यकाल पूरा करना तो दूर, इसके दो साल बीतने से पहले ही अपना चुनावी गठबंधन तोड़कर विरोधी विचार वाले दल के साथ नया गठबंधन बना लेने का मामला मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ दूसरी बार हुआ है। इसका एक पहलू राजनीतिक नैतिकता का है तो दूसरा इस राजनेता की प्रशासनिक अपरिहार्यता का है। नीतीश कुमार का अपनी कुर्मी जाति के अलावा भी एक अच्छा-खासा जनाधार है। अति पिछड़ी जातियों, पिछड़े मुसलमानों, छोटे व्यापारियों और बड़े दायरे में महिलाओं के वोट उन्हें मिलते हैं। राजकाज को लेकर इस तरह का कामकाजी भरोसा बिहार की दोनों बड़ी पार्टियां आरजेडी और बीजेपी लोगों में नहीं जगा पातीं। ऐसे में नीतीश कुमार को 'पलटूराम' बताकर कोसते रहना अलग बात है लेकिन दोनों ही उनके साथ रिश्ते बनाकर चलती हैं। पिछली बार नीतीश ने आरजेडी का साथ छोड़कर बीजेपी का पल्लू पकड़ा था तो इसकी वजह लालू प्रसाद के दोनों बेटों तेजस्वी और तेज प्रताप का भ्रष्टाचार बताया था, जो उनके वरिष्ठ मंत्री हुआ करते थे। तेजस्वी तब भी उप-मुख्यमंत्री थे, इस बार भी यह पद संभालने जा रहे हैं। भ्रष्टाचार के मुकदमे दोनों पर चल ही रहे हैं, हालांकि उनका संबंध लालू यादव के रेलमंत्री वाले कार्यकाल से है। टकराव की भीतरी वजह बड़ी पार्टी होने की आरजेडी की हनक बताई जाती थी, जो नीतीश के सामने लालू परिवार की दबंगई में जाहिर होती थी। यह समस्या इस बार भी बनी रहेगी, हालांकि आशा की जा सकती है कि सत्ता से हटने का नुकसान दोनों भाई पहले से ज्यादा समझ चुके होंगे और बीजेपी से एक बार और रिश्ता बनाने को लेकर नीतीश कुमार भी पहले जितने आश्वस्त नहीं रह गए

आगे की ओर देखें तो इस बदलाव का एक छोर 2024 में होने वाले आम चुनाव से जुड़ता है। एक अर्से से राजनीति में बीजेपी का हर दांव सही पड़ रहा है। विपक्ष कोई चुनाव जीत ले तो भी छह महीने या साल भर में सरकार वहां बीजेपी की ही नजर आ रही है। कुछ विश्लेषकों ने इसे 'शाह मिरैकल' की संज्ञा दी है। अमित शाह का चमत्कार, जिसमें इक्कीसवीं सदी के पैमाने पर काम करने वाले साम-दाम-दंड-भेद के अलावा भी कुछ बातें शामिल हैं।

बिहार का यह बदलाव शाह मिरैकल की अबाध गति में एकाध छोटे-मोटे रोड़े अटका सकता है।

नई नीतीश सरकार अगर अगले आम चुनाव तक चलती रही तो विपक्ष को अपना कामचलाऊ कुनबा जोड़ने में कुछ मदद मिल सकती है। एक अटकलबाजी चुनाव से पहले नीतीश कुमार के केंद्रीय राजनीति में चले जाने, विपक्ष का नेतृत्व संभाल लेने और प्रधानमंत्री का चेहरा बन जाने की है, लेकिन इसके लिए बिहार में 'गाछे कटहर ओठे तेल' का जमीनी मुहावरा बोला जाता है। यानी कटहल अभी पेड़ पर लटका है लेकिन बंदे हैं कि होंठों पर तेल पोतकर उसे कच्चा ही खा लेने की तैयारी में जुटे हैं। बीजेपी की चिंता आम चुनाव-2024 में नीतीश की चुनौती को लेकर नहीं, अब से लेकर तब तक के समय में बिहार की राजनीतिक हलचलों को लेकर होनी चाहिए।

महाराष्ट्र कैबिनेट विस्तार पर शिवसेना का बड़ा हमला

महाराष्ट्र में हुए मंत्रिमंडल विस्तार के एक दिन बाद शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में एकनाथ शिंदे खेमे और बीजेपी के बीच गठबंधन की कड़ी आलोचना की. शिवसेना ने इसे लोकतंत्र की हत्या बताते हुए सामना के संपादकीय में कहा कि शिंदे खेमे के कुछ विधायकों के खिलाफ अयोग्य घोषित करने की याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं जिनमें से कुछ पर सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को सुनवाई करेगा. ऐसे में उन्हें मंत्रीपद की शपद दिलाना लोकतंत्र का अपमान है. राज्यपाल कोश्यारी पर भी साधा निशाना संपादकीय में शिवसेना ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी पर भी कटाक्ष किया है, जिन्होंने मंगलवार को राजभवन में विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई थी. संपादकीय में कहा गया है कि 40 दिन पहले अवैध रूप से बनी सरकार को राज्यपाल ने शपथ दिलाई और अब अवैध रूप से बनी सरकार के मंत्रियों को शपथ दिलाकर उन्होंने लोकतंत्र का अपमान किया है. इसमें आगे कहा गया है कि कुछ ऐसे विधायकों को शपथ दिलाना जिन्हें अयोग्य ठहराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में मामला लंबित है, यह लोकतंत्र और संविधान की हत्या है. ऐसे हत्यारों को देश में खुला छोड़ दिया गया है और उनके माध्यम से राज्य के मामले चलाए जा रहे हैं.अल्पकालिक होगी शिंदे खेमे के मंत्रियों की खुशीशिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने इस संपादकीय के माध्यम से चुनौती दी कि एकनाथ शिंदे खेमे में शामिल होने वाले नौ मंत्रियों की खुशी अल्पकालिक होगी. मुखपत्र में आगे कहा गया है कि महाराष्ट्र के लोग दलबदलुओं को उनके विश्वासघात के लिए कभी माफ नहीं करेंगे. हालांकि शिंदे सरकार ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है.

जिस पर लगाया आरोप, उसे बनाया मंत्री मतलब भाजपा ने झूठ बोला था ! : अजीत पवार

मुंबई, मुख्यमंत्री शिंदे और उपमुख्यमंत्री फडणवीस के नेतृत्व में मंत्रिमंडल में शामिल हुए १८ नए मंत्रियों का अभिनंदन करते हुए प्रतिपक्ष के नेता अजीत पवार ने भाजपा की दोहरी भूमिका पर जमकर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जिस पर आरोप किया था, उसे मंत्रिमंडल में स्थान देकर यह साबित कर दिया कि भाजपा के आरोप में कोई तथ्य नहीं था, यानी झूठा था। मुख्यमंत्री की शपथ विधि के करीब ४० दिन बाद राज्य की जनता को मंत्रिमंडल मिला है। उम्मीद है कि विभागों का बंटवारा तत्काल होगा और प्रलंबित कामों को पूरा किया जाएगा। प्रगतिशील, पुरोगामी महाराष्ट्र के उत्थान में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। राज्य में अनेक कर्तृत्ववान महिला हैं, उनका प्रतिनिधित्व होता था, राज्य मंत्रिमंडल में एक भी महिला का न होना, यह निश्चित रूप से बुरी बात है और गलत भी लग रहा है। ऐसी प्रतिक्रिया अजीत पवार ने व्यक्त की।

भाजपा ने चंद्रशेखर बावनकुले को बनाया महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष

महाराष्ट्र संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए भाजपा ने विधान परिषद सदस्य चंद्रशेखर बावनकुले को महाराष्ट्र भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर दिया है। महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष के चेहरे में बदलाव के साथ ही पार्टी ने मुंबई महानगर के संगठन में भी बदलाव कर दिया है। राज्य के विधायक आशीष शेलार को पार्टी आलाकमान ने मुंबई महानगर भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने इन संगठनात्मक नियुक्तियों को लेकर पत्र जारी करते हुए कहा कि, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने चंद्रशेखर बावनकुले, सदस्य विधान परिषद को भाजपा महाराष्ट्र का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। सिंह ने पत्र में आगे कहा, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आशीष शेलार, विधायक को मुंबई महानगर भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किया है। पत्र में इन नियुक्तियों के तत्काल प्रभाव से लागू होने की बात भी कही गई है। (आईएएनएस)डिस्क्लेमरः यह आईएएनएस न्यूज फीड से सीधे पब्लिश हुई खबर है. इसके साथ की टीम ने किसी तरह की कोई एडिटिंग नहीं की है. ऐसे में संबंधित खबर को लेकर कोई भी जिम्मेदारी न्यूज एजेंसी की ही होगी.

सीधे जनता चुनेगी सरपंच, 18 सितंबर को मतदान

मुंबई। प्रदेश के 17 जिलों की 51 तहसीलों के 608 ग्राम पंचायतों के सदस्यों सहित सीधे सरपंच पद के चुनाव के लिए मतदान आगामी 18 सितंबर को होगा। मतदाता सुबह 7.30 से शाम 5.30 के बीच मतदान कर सकेंगे। जबकि मतगणना 19 सितंबर को होगी। इन ग्राम पंचायत चुनाव क्षेत्रों में आचार संहिता लागू हो गई है। शुक्रवार को राज्य चुनाव आयुक्त यूपीएस मदान ने यह घोषणा की। मदान ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के 17 मई 2022 के आदेश के अनुसार कम बारिश वाले 51 तहसीलों के ग्राम पंचायतों के चुनाव घोषित किए गए हैं। इसके साथ ही चुनाव कार्यक्रम के दौरान अतिवृष्टि अथवा बाढ़ की स्थिति जैसी प्राकृतिक आपदा की परिस्थिति पैदा होने पर जिलाधिकारी को चुनाव आयोग के पास तत्काल रिपोर्ट पेश करने के आदेश भी दिए गए हैं। मदान ने बताया कि ग्राम पंचायतों के चुनाव ओबीसी आरक्षण सहित होंगे।

फडणवीस ने शरद पवार पर साधा निशाना

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को शरद पवार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कुछ और है जो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष को अधिक आहत कर रहा है। दरअसल, शरद पवार ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा था कि भाजपा शिवसेना को कमजोर करने और पार्टी में विभाजन पैदा करने की योजना बना रही है। इस दौरान उन्होंने बिहार में भाजपा के भविष्य को लेकर भी बयान दिया। शरद पवार की आलोचना पर दी प्रतिक्रिया फडणवीस ने यह टिप्पणी पवार द्वारा भाजपा की आलोचना के मद्देनजर की। दरअसल, शरद पवार ने भाजपा पर अपने क्षेत्रीय सहयोगियों को धीरे-धीरे खत्म करने का आरोप लगाया। पवार ने यह भी कहा कि भाजपा शिवसेना को कमजोर करने और पार्टी में विभाजन पैदा करने की योजना बना रही है। उनके इस बयान पर पलटवार करते हुए डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने ठाणे में कहा, 'कुछ और है जो पवार को ज्यादा आहत करता है। हर कोई इसे जानता है।' बिहार पर भी दिया बयान देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जेडीयू से अधिक सीटें जीती थीं, लेकिन फिर भी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया गया था। उन्होंने कहा कि यह भाजपा है जो अपने सहयोगियों का ख्याल रखती है। उन्होंने कहा कि अगर हम बिहार (अभी) में सत्ता में नहीं हैं, तो हम निश्चित रूप से कल वहां होंगे। गौरतलब है कि जदयू नेता नीतीश कुमार ने बुधवार को आठवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वहीं, राजद के नेता और लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इससे एक दिन पहले उन्होंने भाजपा नीत राजग से नाता तोड़ कर 'महागठबंधन' सरकार बनाने के लिए राजद से हाथ मिला लिया था। मंत्रिमंडल के विस्तार पर फडणवीस बोले महाराष्ट्र में शिंदे के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल के विस्तार पर फडणवीस ने कहा कि मीडिया में पहले से ही मंत्रिमंडल विस्तार के बारे में काफी अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन अटकलें पूरी तरह से झूठी होने जा रही हैं। विभागों का आवंटन हो जाने के बाद ये सामने आ जाएगा। गौरतलब है कि एक दिन पहले सीएम शिंदे ने पद की शपथ लेने के 41 दिन बाद अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया। शिवसेना और भाजपा के शिंदे गुट के नौ-नौ सहित कुल 18 विधायकों ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली है।

बाढ़ प्रभावित किसानों को मिलेंगे 13,600 रुपये प्रति हेक्टेयर

शिंदे सरकार का बड़ा फैसला

मुंबई: महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सरकार के कैबिनेट विस्तार के बाद बुधवार को पहली कैबिनेट बैठक हुई। इस बैठक में कैबिनेट ने दो बड़े फैसले लिए। एक फैसला किसानों के हितों में है तो दूसरा मुंबई मेट्रो से जुड़ा है। राज्य सरकार ने ज्यादा बरसात और बाढ़ प्रभावित किसानों की मदद करने के लिए हुए नुकसान की भरपाई के लिए उनके हेक्टेयर की सीमा को बढ़ाया है। वहीं, एनडीआरएफ की शर्तों से दोगुने पैसे देने का फैसला किया।

कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने मीडिया से बात करते हुए बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारियां दीकिया। मीडिया से

बात करते हुए सीएम शिंदे ने कहा, 'आज हुई कैबिनेट बैठक में किसानों के लिए अहम फैसले लिए गए। ज्यादा बरसात होने की वजह से किसानों की फसलों का काफी नुकसान हुआ है। नुकसान का पंचनामा किया जा चुका है। कुछ ही ठिकानों में पंचनामे का काम बाकी है। अब तक मिली जानकारियों के मुताबिक राज्य में

15 लाख हेक्टेयर खेती का नुकसान हो गया है।

ऐसे में किसानों को राहत देने के लिए शिवसेना और बीजेपी की सरकार ने एक फैसला किया है। इससे पहले जितना भरपाई कभी नहीं दी गई, उतनी भरपाई देने का फैसला किया गया है।'

मिलेगी ज्यादा नुकसान की भरपाई सीएम शिंदे ने कहा, 'एनडीआरएफ के नियमों से दोगुना नुकसान की भरपाई देने का फैसला मंत्रिमंडल की बैठक में किया गया है। साथ ही दो हेक्टेयर की सीमा को भी बढ़ाकर तीन हेक्टेयर की सीमा तय कर दी गई है। यानी किसानों को बड़ी मात्रा में नुकसान भरपाई देने का हमने फैसला किया है।'

बता दें कि, NDRF के नियमों के तहत किसानों को प्रति हेक्टेयर 6800 रुपए की नुकसान भरपाई मिलती है। लेकिन एकनाथ शिंदे सरकार ने उसे बढाकर 13600 रुपए की प्रति हेक्टेयर देने का फैसला किया है। मुंबई मेट्रो-3 के प्रोजेक्ट को मंजूरी

बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज रूट की मुंबई मेट्रो-3 के प्रोजेक्ट के संशोधित खर्च को मंजूरी मिल गई है। इस प्रोजेक्ट में मूल खर्च 23 हजार 136 करोड़ रुपया तय किया गया था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 33 हजार 405 करोड़ 82 लाख रुपए कर दिया गया है। बढ़े हुए खर्चे को देखते हुए केंद्र से भी मदद मिलने की संभावनाएं हैं। संशोधित खर्चे में राज्य के हिस्से की रकम 2 हजार 402 करोड़ 7 लाख से लेकर 3 हजार 699 करोड़ 81 लाख तक हो रही है। इस बढ़ी हुई रकम के आधार पर मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण को यह निर्देश दे दिया गया है कि वो इस अंतर की वजह से बढ़े खर्च की 1 हजार 297 करोड़ 74 लाख की रकम को मुंबई मेट्रो को उपलब्ध करवाए। इस संशोधित वित्तीय योजना के तहत जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) का कर्ज 13 हजार 235 करोड़ से बढ़कर 19 हजार 924 करोड़ 34 लाख हो गया है और बढ़ी हुई राशि के कर्ज को भी मंजूरी मिल गई है।

एकनाथ शिंदे से नाराज पूर्व राज्यमंत्री बच्चू कडू

मुंबई: महाराष्ट्र की शिंदे-फडणवीस सरकार का मंगलवार को कैबिनेट विस्तार हुआ। इस विस्तार में ठाकरे सरकार में रहे मंत्रियों को नई सरकार में भी जगह दी जाएगी। इस तरह की चर्चाएं राज्य की सियासत में आम थीं। हालांकि कुछ पूर्व मंत्रियों को जरूर नए मंत्रिमंडल में जगह दी गई है।

जबकि निर्दलीय विधायकों को वेटिंग पर रखा गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की बगावत के दिनों से उनके साथ रहे पूर्व राज्य मंत्री बच्चू कडू को उम्मीद थी कि उन्हें कोई महत्वपूर्ण कैबिनेट मंत्री पद और विभाग मिलेगा। हालांकि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। शिंदे की तरफ से बच्चू कडू को पहले कैबिनेट विस्तार में अलग रखा गया। इस बात से बच्चू कडू काफी नाराज भी हैं। मलाईदार विभाग और कैबिनेट मंत्री का पद तो छोड़िए उन्हें राज्यमंत्री भी नहीं बनाया गया। जानकारी के मुताबिक बच्चू कडू आज सीएम से मिलकर अपनी नाराजगी जाहिर करेंगे। मंत्रिपद छोड़कर शिंदे के साथ गए थे बच्चू कडू एकनाथ शिंदे ने जब उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत की थी, बच्चू कडू तब से ही उनके साथ थे। अपने मंत्री पद को छोड़ कर वे शिंदे के साथ सूरत से गुवाहाटी तक गए थे। जिसके बाद बीजेपी से गठबंधन के बाद महाराष्ट्र में शिंदे-बीजेपी सरकार के आने की उम्मीद बलवती हुई थी। ऐसे में खुद को भी एक महत्वपूर्ण मंत्री पद मिलेगा। ऐसा कई विधायकों को लग रहा था। बच्चू कडू तो ठाकरे सरकार में राज्य मंत्री थे। ऐसे में उन्हें इस बात की खासी उम्मीद थी कि उन्हें कैबिनेट दर्जा दिया जाएगा। खुद बच्चू कडू ने भी कहा था कि मुझे शिंदे सरकार में सामाजिक न्याय, अपंग कल्याण और अमरावती के संरक्षक मंत्री का पद दिया जाना चाहिए। हालांकि मंगलवार को हुए मंत्रिमंडल विस्तार में बच्चू कडू को मंत्री पद न दिए जाने से महाराष्ट्र की सियासत में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हैं। राज्यमंत्री पद से करना पड़ेगा संतोष? बच्चू कडू को सामाजिक न्याय और जलसंपदा जैसा मंत्रालय चाहिए था। हालांकि, यह दोनों ही विभाग अब बीजेपी के पास जा चुके हैं। ऐसे में बच्चू कडू को यह दोनों विभाग मिलना संभव नहीं है। दूसरी तरफ इस बात की भी चर्चा है कि बच्चू कडू को दोबारा राज्य मंत्री पद दिया जा सकता है। इस बात की भनक बच्चू कडू को भी लगी है।

सहयोगी दलों को खत्म कर रही है भाजपा !

मुंबई, क्षेत्रीय दलों का कोई भविष्य नहीं है। वे नहीं बचेंगे और देश में हमारी अकेली पार्टी रहेगी, ऐसा एक बयान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिया था। नीतीश कुमार की यही शिकायत है। भाजपा अपने सहयोगी दलों को धीरे-धीरे खत्म कर रही है। बारामती में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ऐसा आरोप लगाते हुए राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने भाजपा पर जोरदार हमला किया भाजपा अपने मित्र दलों को खत्म कर रही है। इसका उदाहरण है पंजाब में अकाली दल जैसी पार्टी जो भाजपा के साथ थी, अब वह लगभग समाप्त होने के मुंहाने पर पहुंच गई है। महाराष्ट्र में भी शिवसेना और भाजपा कई सालों तक एक साथ थे। लेकिन भाजपा

शरद पवार का जोरदार हमला

ने एकनाथ शिंदे का हाथ पकड़कर शिवसेना को दो हिस्सों में बांटने का प्रयास किया। कुछ ऐसी हीr तस्वीर बिहार और पश्चिम बंगाल में दिखाई देने की टिप्पणी शरद पवार ने की। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने बारामती में कहा कि धनुष बाण शिवसेना का चुनाव चिह्न है। हिंदूहृदयसम्राट व शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे द्वारा स्थापित, उस समय से स्वीकार किए गए और महाराष्ट्र की जनता के दिल में जगह बना चुके किसी एक राजनीतिक दल के चिह्न को हटा देना अनुचित है। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि विवाद करने की बजाय शिंदे गुट दूसरा दल स्थापित करे।शिवसेना को भाजपा ने तोड़ा सुशील मोदी ने किया कबूल भाजपा ने कभी भी अपने मित्र दलों को धोखा नहीं दिया। जिन्होंने हमें धोखा दिया, उनके ही दल को हमने तोड़ा। महाराष्ट्र में शिवसेना की भाजपा के साथ युति थी। लेकिन बाद में शिवसेना को धोखा देने का नतीजा भुगतना पड़ा। ऐसा कहते हुए भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी ने शिवसेना को भाजपा द्वारा तोड़े जाने की बात को कबूल कर लिया है।

बच्चों को गुस्से से निपटने में मदद करने के तरीके

हिरल शाह

जब कोई बच्चा गुस्से से संघर्ष करता है तो माता-पिता और बच्चों दोनों के लिए यह कठिन होता है। कुछ बच्चे आसानी से निराश हो जाते हैं। वे छोटी-छोटी घटनाओं पर भड़क जाते हैं। वे चिल्लाते हैं। वे आक्रामक भी हो सकते हैं।

यदि आपके बच्चे में गुस्से का प्रकोप है, और विशेष रूप से यदि आपके बच्चे का गुस्सा उनके रिश्तों और जीवन की गुणवत्ता में हस्तक्षेप करता है, तो उन्हें स्वस्थ तरीके से अपनी भावनाओं से निपटने के लिए आवश्यक कौशल सिखाना महत्वपूर्ण है। मानसिक-स्वास्थ्य पेशेवर का मार्गदर्शन भी बहुत मददगार हो सकता है।

अपने बच्चे को भावनाओं के बारे में सिखाएं

जब बच्चे अपनी भावनाओं को नहीं समझते हैं या वे उन्हें मौखिक रूप से बताने में सक्षम नहीं होते हैं, तो बच्चों को चाबुक मारने की अधिक संभावना होती है। एक बच्चा जो नहीं कह सकता "मैं पागल हूँ!" यह दिखाने की कोशिश कर सकते हैं कि वे कोड़े मारकर गुस्से में हैं। या एक बच्चा जो यह समझने या समझाने में सक्षम नहीं है कि वे दुखी हैं, आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए दुर्व्यवहार कर सकता है।

अपने बच्चे को भावनाओं को पहचानने और लेबल करने में मदद करने के लिए, "पागल," "उदास," "खुश," और "डरा हुआ" जैसे बुनियादी भावनाओं को पढ़ाने से शुरू करें। अपने बच्चे की भावनाओं को यह कहकर लेबल करें, "ऐसा लगता है कि आप अभी बहुत गुस्से में हैं।" समय के साथ, वे अपनी भावनाओं को लेबल करना सीखेंगे।

एक शांत-डाउन योजना विकसित करें

बच्चों को सिखाएं कि जब उन्हें गुस्सा आने लगे तो उन्हें क्या करना चाहिए। उदाहरण के लिए, जब वे निराश हों तो ब्लॉक फेंकने के बजाय, वे अपने कमरे या एक निर्दिष्ट "शांत कोने" में जा सकते हैं। जब तक वे बेहतर महसूस न करें, उन्हें रंग भरने, किताब पढ़ने या किसी अन्य शांत गतिविधि में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करें। आप एक शांत-डाउन किट भी बना सकते हैं। इसमें आपके बच्चे की पसंदीदा रंग भरने वाली किताबें और कुछ क्रेयॉन, पढ़ने के लिए एक मजेदार किताब, स्टिकर, एक पसंदीदा खिलौना, या अच्छी खुशबू वाला लोशन शामिल हो सकता है।

क्रोध प्रबंधन कौशल विकसित करें

गुस्सा महसूस करने वाले बच्चे की मदद करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है उन्हें विशिष्ट क्रोध प्रबंधन तकनीक सिखाना। उदाहरण के लिए, गहरी साँसें लेना आपके बच्चे के मन और उसके शरीर को शांत कर सकता है जब वह परेशान होता है। जल्दी चलने के लिए, 10 तक गिनने या किसी उपयोगी वाक्यांश को दोहराने से भी मदद मिल सकती है।

नखरे संभालें

कभी-कभी बच्चों को पता चलता है कि गुस्से का प्रकोप उनकी जरूरतों को पूरा करने का एक प्रभावी तरीका है। यदि कोई बच्चा गुस्से में नखरे करता है और उनके माता-पिता उन्हें चुप रहने के लिए एक खिलौना देते हैं, तो वे सीखेंगे कि गुस्सा नखरे प्रभावी हैं।

मंदी से बचने के लिए अपने बच्चे को न दें। हालांकि यह अल्पावधि में आसान हो सकता है, लंबे समय में देने से व्यवहार की समस्याएं और आक्रामकता खराब हो जाएगी। इसके बजाय, अपने बच्चे के साथ जुड़ने पर काम करें ताकि वे अधिक आश्वस्त महसूस करें कि उनकी ज़रूरतें पूरी होंगी।

परिणामों के साथ पालन करें

आपके बच्चे को यह सीखने में मदद करने के लिए लगातार अनुशासन आवश्यक है कि आक्रामकता या अपमानजनक व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। 3 यदि आपका बच्चा नियम तोड़ता है, तो हर बार परिणाम के साथ पालन करें।

टाइम-आउट या विशेषाधिकार लेना प्रभावी अनुशासन रणनीतियाँ हो सकती हैं। अगर आपका बच्चा गुस्से में कुछ तोड़ता है, तो उसे उसे ठीक करने में मदद करें या मरम्मत के लिए पैसे जुटाने के लिए काम करें।

बच्चों को गुस्सा महसूस करना या गुस्सा करना पसंद नहीं है। अक्सर, वे निराशा और अपनी बड़ी भावनाओं को प्रबंधित करने में असमर्थता पर प्रतिक्रिया कर रहे हैं। अपने बच्चे को क्रोध और अन्य नकारात्मक भावनाओं के प्रति उचित प्रतिक्रिया देना सीखने में मदद करने से घर और स्कूल में उनके जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। अगर आपको परेशानी हो रही है, तो अपने बच्चे के बाल रोग विशेषज्ञ या स्कूल काउंसलर से मदद मांगें।

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक है 'यूथ प्रोटीन', इसकी कमी समय से पहले कम कर देती है रोशनी

रंजनबेन मसोया

शरीर के कई अंगों पर उम्र बढ़ने का असर दिखने लगता है। उम्र के साथ मांसपेशियों और हड्डियों की कमजोरी के साथ कई प्रकार के अन्य रोगों के विकसित होने का खतरा भी बढ़ जाता है। विशेषज्ञ कहते हैं, 40 की उम्र के बाद शरीर में कई प्रकार के प्रोटीन्स और हार्मोन्स के स्तर में कमी आने लगती है, जिसका शरीर पर कई प्रकार से नकारात्मक असर हो सकता है। 40 की आयु के बाद लोगों में आंखों की समस्याएं भी बढ़नी शुरू हो जाती है, इसमें निकट की वस्तुओं या छोटे प्रिंट को देखने की क्षमता कम होने लगती है। मेडिकल की भाषा में इस तरह की समस्या को 'एजिंग आई' के रूप में जाना जाता है।

नेत्र रोग विशेषज्ञ बताते हैं, उम्र के साथ आंखों की क्षमता में आने वाली कमी के लिए कुछ प्रकार के प्रोटीन्स और हार्मोन की कमी को प्रमुख कारण के रूप में देखा जाता है। सामान्य तौर पर यूथ प्रोटीन, पिगमेंट एपिथीलियम ड्राइब्ड फैक्टर (पीईडीएफ) आंखों के रेटिना में कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाता है, जिसके कारण आंखें स्वस्थ बनी रहती हैं। इसमें आने वाली कमी के कारण उम्र बढ़ने से संबंधित आंखों की बीमारियों के बढ़ने का खतरा हो सकता है।

आइए समझते हैं कि यह यूथ प्रोटीन, आंखों की सेहत के लिए कितनी आवश्यक है और इसकी कमी को कैसे दूर किया जा सकता है? नेशनल आई इंस्टीट्यूट (एनईआई) के शोधकर्ताओं ने अध्ययन में पाया कि पीईडीएफ के स्तर में गिरावट रेटिना की समस्याओं को बढ़ा देती है जिसके कारण देखने की क्षमता में कमी आने लगती है। उम्र बढ़ने के साथ कम दिखाई देने के लिए इसे एक प्रमुख कारक के तौर पर देखा जा सकता है। यूथ प्रोटीन प्राकृतिक तौर पर आंखों में रिसाइकिलिंग की प्रक्रिया में विशेष भूमिका निभाता है। सामान्यतौर पर ये प्रोटीन्स रेटिनल पिगमेंट एपिथेलियम (आरपीई) नामक सेल्स द्वारा निर्मित होते हैं। उम्र बढ़ने के साथ इनमें भी कई प्रकार के विकारों के विकसित होने का खतरा हो सकता है। अध्ययनकर्ता बताते हैं, उम्र बढ़ने के साथ आंखों, त्वचा, फेफड़ों और अन्य ऊतकों में आरपीई का उत्पादन और पीईडीएफ स्राव कम होने लगता है। पहले के शोध से पता चलता है कि पीईडीएफ फोटोरिसेप्टर कोशिकाओं को नुकसान होने से बचाने और आंखों में असामान्य रक्त वाहिकाओं के विकास को रोक सकता है।

वैज्ञानिकों ने कहा- डिप्रेशन में एंटीडिप्रेसेंट दवाओं की जरूरत नहीं, तो फिर कैसे ठीक हो अवसाद?

चार्ल्स पटेल

शरीर के संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर रखने में मानसिक स्वास्थ्य की विशेष भूमिका मानी जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि तनाव-चिंता जैसी स्थितियों पर समय रहते ध्यान न देना डिप्रेशन का कारण बन सकता है। डिप्रेशन को मानसिक स्वास्थ्य की गंभीर स्थिति के रूप में जाना जाता है। डॉक्टर्स बताते हैं कि मस्तिष्क में सेरोटोनिन नामक न्यूरोट्रांसमिटर के स्तर में आने वाली कमी अवसाद के खतरे को बढ़ा सकती है। हालांकि हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इस थ्योरी को खारिज करते हुए दावा किया है कि असल में सेरोटोनिन की कमी डिप्रेशन की स्थिति के लिए जिम्मेदार ही नहीं है।

अब तक अवसाद और उदासी जैसी भावनाओं के लिए मस्तिष्क में रासायनिक असंतुलन पर जोर दिया जाता रहा है। इस सिद्धांत की शुरुआत 1960 के दशक की मानी जाती है जब डॉक्टरों ने मूड एन्हांसर दवाओं को प्रयोग में लाना शुरू किया, जो अवसाद की स्थिति में मस्तिष्क में न्यूरोट्रांसमीटर सेरोटोनिन के स्तर को ठीक करने के लिए जानी जाती हैं। हालांकि हालिया अध्ययन ने इस सिद्धांत पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है।

आइए जानते हैं कि अगर अवसाद के लिए सेरोटोनिन की कमी जिम्मेदार नहीं है तो आखिर डिप्रेशन का क्या कारण है? इस बारे में शोधकर्ताओं का क्या तर्क है?

डिप्रेशन और लो-सेरोटोनिन लेवल

क्या वास्तव में डिप्रेशन के लिए सेरोटोनिन की कमी जिम्मेदार है, इस सिद्धांत को बेहतर ढंग से समझने के लिए वैज्ञानिकों ने करीब 361 पीर-रिव्यूड साइंटफिक रिसर्च का अध्ययन किया। इसके आधार पर दावा किया जा रहा है कि अवसाद और सेरोटोनिन के स्तर में कमी के बीच असल में कोई संबंध नहीं है। शोधकर्ताओं ने इसके लिए डिप्रेशन के शिकार और अन्य लोगों के बीच तुलनात्मक अध्ययन भी किया जिसमें दोनों ही प्रकार के प्रतिभागियों में सेरोटोनिन के स्तर में कोई खास अंतर नहीं देखा गया।

सेरोटोनिन थ्योरी को लेकर उठे सवाल

अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि अवसाद के वर्तमान सिद्धांत में केवन सेरोटोनिन जैसे एकल न्यूरोट्रांसमीटर पर ध्यान दिया जाता है। हालांकि इसके साथ इस बात पर भी ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है कि कैसे अवसाद की स्थिति मस्तिष्क के जटिल नेटवर्क में बदलाव करती है जो भावनाओं और तनाव को संसाधित करने के लिए आवश्य है। सेरोटोनिन सिद्धांतों में मस्तिष्क में एमिग्डाला और प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स जैसे हिस्सों की प्रमुख भूमिकाएँ शामिल हैं। भावनाओं को अमिगडाला परिवर्तन से जोड़कर देखा जाता है। बताया जाता रहा है कि अवसाद वाले लोगों ने एमिग्डाला की मात्रा कम होने के साथ एमिग्डाला और कोर्टेक्स के बीच संपर्क भी कम हो जाता है।

अध्ययन के प्रमुख और यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में सलाहकार मनोचिकित्सक माइकल ब्लूमफील्ड कहते हैं, अवसाद के कई अलग-अलग लक्षण और कारण हो सकते हैं और मुझे नहीं लगता कि मैं किसी भी ऐसे वैज्ञानिक या मनोचिकित्सक से मिला हूं, जो सोचते हैं कि अवसाद की सभी स्थितियों के लिए सेरोटोनिन में असंतुलन ही प्रमुख कारण हो सकता है।

एंटीडिप्रेसेंट की प्रभाविकता पर भी उठे सवाल

ऐसे में सवाल उठाता है कि अब तक प्रयोग में लाए जा रहे एंटीडिप्रेसेंट कितने प्रभावी हो सकते हैं? क्योंकि एंटीडिप्रेसेंट मुख्यरूप से सेरोटोनिन के स्तर को बढ़ाकर डिप्रेशन के लक्षणों को कम करने के लिए जाने जाते हैं।

इस बारे में शोधकर्ताओं का कहना है कि जिन लोगों में हल्के-मध्यम स्तर के अवसाद की समस्या होती है ऐसे लोगों में इलाज में एंटीडिप्रेसेंट की आवश्यकता नहीं हैं। लेखकों का सुझाव है कि अवसाद को लेकर रासायनिक असंतुलन का जो सिद्धांत चला आ रहा है वह इन दवाओं पर आजीवन निर्भरता को बढ़ावा दे सकता है। निष्कर्ष के तौर पर अध्ययन से पता चलता है कि सेलेक्टिव सेरोटोनिन रीअपटेक इनहिबिटर्स (एसएसआरआई) दवाएं जो मस्तिष्क में सेरोटोनिन के रेप्युटेक को ब्लॉक कर देते हैं, इनका उपयोग अवसाद के इलाज के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

दिल्ली में सामने आया कोरोना का नया 'अति संक्रामक' रूप, जानिए यह पिछले वैरिएंट्स से कितना खतरनाक?

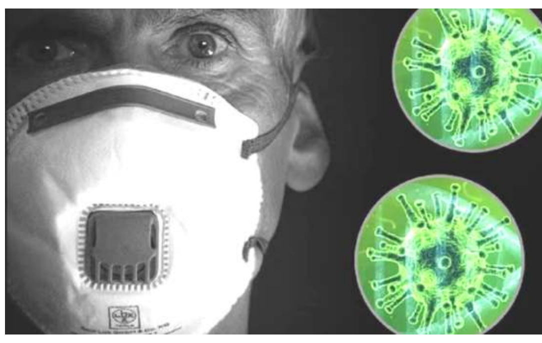

देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में पिछले कुछ दिनों से एक बार फिर से उछाल देखा गया है। विशेषकर राजधानी दिल्ली के आंकड़े काफी परेशानी बढ़ाने वाले हैं। पिछले एक सप्ताह से यहां रोजाना दो हजार से अधिक नए केस दर्ज किए जा रहे हैं, पॉजिटिविटी रेट भी 17 फीसदी के पार हो गई है, यह इस साल जनवरी के बाद अब तक सबसे अधिक है। दैनिक मामलों के साथ दिल्ली में कोरोना से मरने वालों की संख्या में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में अगस्त के महीने में अब तक कोविड के कारण 40 से अधिक मौतें हो चुकी है। यह जुलाई और अगस्त के पहले दस दिनों की तुलनात्मक रिपोर्ट है, जिसमें मृत्यु के आंकड़े तीन गुना तक अधिक देखे गए हैं। दिल्ली में कोरोना के बिगड़ते हालात के बीच विशेषज्ञों ने यहां ओमिक्रॉन के एक और नए सब-वैरिएंट के बारे में पता लगाया है। अधिकारियों ने इसकी पहचान ओमिक्रॉन सबवेरिएंट बीए-2.75 के रूप में की है। मीडिकल रिपोर्ट्स के मुताबिक जीनोम अनुक्रमण के लिए भेजे गए 90 सैंपल्स की जांच के दौरान कोरोना के इस नए रूप की पहचान की गई है। अध्ययनों में इसकी संचरण दर काफी अधिक बताई जा रही है। आइए जानते हैं कि यह नया सब-वैरिएंट ओमिक्रॉन B A . 5 की तुलना में कितना खतरनाक हो सकता है?

एलएनजेपी अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ सुरेश कुमार ने एएनआई को बताया कि कोरोना के नए सब-वैरिएंट्स के सामने आने का दौर जारी है। इस बार सामने आए कोरोना के इस नए रूप को अब तक सबसे संक्रामक माने जा रहे ओमिक्रॉन BA.5 से भी तेज फैलने वाला पाया गया है। संक्रामकता की बात करें तो ओमिक्रॉन के अन्य वैरिएंट्स की तरह यह वैक्सीनेशन करा चुके या फिर जो पहले कोविड से संक्रमित रह चुके लोगों को भी अपना शिकार बना सकता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह का प्रारंभ किसी यात्रा से हो सकता है। बहुत दिनों से जो काम टल रहे थे, वे गति पकड़ने वाले हैं। कार्य की अधिकता जरूर रहेगी लेकिन सारे कार्य हो जाएंगे। नौकरीपेशा को भागदौड़ रहेगी, कारोबारियों को लाभ की स्थिति बनेगी। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। इस राशि के कुछ लोगों को नए प्रेम प्रस्ताव मिलेंगे।

वृषभ : पारिवारिक रिश्तों को लेकर थोड़े सतर्क रहें। लोगों की आपसे काफी अपेक्षाएं हैं इसलिए उन्हें वक्त भी देना होगा। परिवार में कोई मांगलिक प्रसंग आएगा। उत्साह बना रहेगा। जॉब-बिजनेस में लाभ के अवसर आएंगे। तरक्की होगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। पुराने दिनों से चली आ रही परेशानियां काफी हद तक कम होंगी।

मिथुन : धैर्य और संयम का शुभ परिणाम मिलने वाला है। बहुत दिनों से किसी कार्य के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं वह होने वाला है। आर्थिक क्षेत्र में किसी नई योजना पर काम शुरू करेंगे। बिजनेस में तरक्की और विस्तार के अवसर आएंगे। नौकरी में प्रमोशन की संभावना है। पारिवारिक समागम, मेलजोल बना रहेगा। स्वास्थ्य सुधार पर है।

कर्क : शारीरिक मानसिक से मजबूती वाला रहेगा यह सप्ताह। संतान पक्ष को लेकर कड़े निर्णय लेने पड़ सकते हैं। उनके कार्यो पर नजर भी रखनी होगी किकोई गलत रात न पकड़ लें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें। पैसों की आवक भरपूर होगी लेकिन खर्च की स्थिति भी बन रही है।

सिंह : सप्ताह का प्रारंभ किसी शुभ समाचार से होगा। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह अत्यंत शुभ है। भूमि, संपत्ति की खरीदी-बिक्री से संबंधित कार्य से लाभ प्राप्त करेंगे। रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। कारोबार को आगे बढ़ाने में किसी स्वजन का सहयोग मिलेगा। मित्रों के साथ थोड़ा मनमुटाव हो सकता है लेकिन बात बिगड़ने से पहले संभाल लेंगे।

कन्या : अपने कार्यो को अंजाम तक पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। पुराने बिगड़े हुए काम पटरी पर आने वाले हैं। बिजनेस गति पकड़ेगा और नौकरीपेशा को उच्चाधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी। धैर्य और संयम के साथ कोई कार्य करेंगे तो उसमें निश्चित रूप से तरक्की मिलने वाली है। आर्थिक मजबूती की ओर बढ़ेंगे।

तुला : आपके भौतिक सुखों में वृद्धि होने वाली है। आभूषण, वस्त्र आदि खरीदेंगे। किसी पारिवारिक समारोह में जाने का अवसर आएगा। संपत्ति को लेकर चल रहा विवाद निपटाने की ओर है। सप्ताह के मध्य में किसी विशेष व्यक्ति से भेंट होगी। बिजनेस के लिए लोन लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य थोड़ा गड़बड़ हो सकता है।

वृश्चिक : अपने मन को शांत रखें और सोच समझकर निर्णय लें। किसी के बहकावे में आकर या देखादेखी कोई काम न करें वरना नुकसान उठाना पड़ सकता है। तरक्की के रास्ते सामने हैं बस जरूरत है उन्हें पहचानने की। किसी भी काम की हड़बड़ी न करें। नौकरी बिजनेस उत्तम रहेगा। स्वास्थ्य भी इस हफ्ते अच्छा रहेगा।

धनु : आर्थिक प्रबलता आपके पक्ष में हैं। जो भी काम करेंगे उसमें सफलता निश्चित है। इसलिए घबराएं नहीं, खुद पर आत्मविश्वास रखें और आगे बढ़ें। नौकरी में तरक्की, बिजनेस में विस्तार, बेरोजगारों को रोजगार के अवसर आएंगे। विद्यार्थियों को फोकस पढ़ाई पर रखना है। पिता या पिता तुल्य व्यक्ति की बात मानें और फॉलो करें।

मकर : बहुत दिनों से किसी काम के होने का रास्ता देख रहे थे वह होने वाला है। पैसों की भरपूर आवक होगी लेकिन ध्यान रखें खर्च सोच समझकर करें। व्यर्थ के कार्यो पर पैसा और समय नष्ट न करें। पारिवारिक मेलजोल बढ़ेगा। किसी काम को करने की जल्दबाजी न करें। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

कुंभ : मौज-मस्ती भरा सप्ताह रहेगा। पारिवारिक समागम, मित्रों के साथ घूमने-फिरने का अवसर आएगा। स्वयं का भवन, वाहन खरीदने का योग है। आर्थिक मजबूती रहेगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा लेकिन जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी के बहकावे में आकर काम न करें। कार्य विस्तार के लिए किसी मित्र का सहयोग लेना पड़ेगा।

मीन : पद और पैसा प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की के अवसर आएंगे। कारोबारियों को लाभ और विस्तार के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। पर्यटन का अवसर आएगा। अविवाहितों के विवाह की बात बनेगी।

चुटकुले

रिंकी ने पड़ोसन से जूसर मशीन मांगी
पड़ोसन- यहीं आकर यूज कर लो
दूसरे दिन उसी पड़ोसन ने कहा ,जरा अपनी पोछा दे दो...
रिंकी- तुम यहीं आकर यूज कर लो

सोनू और मोनू ट्रेन में बाते कर रहे थे...
सोनू- यह फेसबुक इंसान को बहुत आगे ले जायेगा.
मोनू- वह कैसे ?
सोनू- मुझे ही देख लीजिए. दो स्टेशन पहले उतरना था पर फेसबुक के चक्कर में आगे आ गया...

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत मनपा द्वारा सिर्फ एक ही स्कूल पर कार्रवाई की गई

✪ **कुल 290 स्कूल हैं**
✪ **8 स्कूलों को बाहर रखा गया**

संवावदाता। मुंबई मुंबई मनपा ने गरीब और निम्न आय वर्ग के छात्रों को अंग्रेजी के माध्यम से सीखने में सक्षम बनाने के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू किया है। प्रवेश देने से इंकार करनेवाले सिर्फ एक ही स्कूल पर कार्रवाई करने की जानकारी शिक्षणाधिकारी कार्यालय द्वारा आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली को दी गई हैं।आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने शिक्षणाधिकारी कार्यालय से शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत विभिन्न जानकारी मांगी थी। अनिल गलगली को शिक्षणाधिकारी कार्यालय में निजी प्राथमिक विद्यालय के विभाग निरीक्षक द्वारा 13 पेज की जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस जानकारी में कुल 290 स्कूल शामिल हैं जिन पर शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू है। पिछले 5 साल में सिर्फ एक स्कूल के खिलाफ कार्रवाई हुई है। अंधेरी वेस्ट स्थित राजरानी मल्होत्रा स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की गई है। सरकार से प्रतिपूर्ति राशि नहीं मिलने के कारण स्कूल ने प्रवेश से इनकार कर दिया था। सुनवाई के बाद स्कूल में दाखिले का आदेश दिया गया। उसके बाद स्कूल ने स्कूल स्तर पर प्रवेश देकर छात्र की ऑनलाइन शिक्षा शुरू की।8 स्कूलों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम से छूट मिली हुई है। समता विद्यामंदिर का पुनर्विकास किया जा रहा है जबकि हैंडमिड्स स्कूल को बंद कर दिया गया है। अन्य 6 स्कूल जिन्हें अल्पसंख्यक प्रमाणपत्रों के कारण बाहर रखा गया है, वे हैं वनिता विश्राम, जेडी भरदा, सेंट मैरी, सेंट लुइस, केआर मकेचा, अफाक इंग्लिश स्कूल।अनिल गलगली के मुताबिक, शिक्षा का अधिकार कानून अभी भी शत-प्रतिशत लागू नहीं हुआ है और विभाग स्तर पर अचानक निरीक्षण की जरूरत है क्योंकि माता-पिता शिकायत नहीं करते क्योंकि उन्हें नहीं पता कि शिकायत कहां करनी चाहिए। इसके लिए गलगली ने राय व्यक्त की है कि वार्ड स्तर पर शिकायतों की सुनवाई जरूरी है।

डायमंड एंड ज्वैलरी एकजीबिशन धूमधाम से उद्घाटन

गणेश पाण्डेंय। मुंबई उक्त यह प्रदर्शनी 5 से 8 अगस्त तक जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, बांद्रा मुंबई में आयोजित की गयी । "लैब-ग्रोन डायमंड एंड ज्वैलरी प्रमोशन काउंसिल एलडीजेएस प्रेस कांफ्रेंस आयोजित एलडीजेएस भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय ज्वैलर्स के लिए भारत की सबसे बड़ी लैब ग्रो डायमंड एंड ज्वैलरी प्रदर्शनी है।एलडीजेएस 2022 में 100 से अधिक एक्ज़िबिटर्स विज़िटर्स को हीरे और गहनों की अपनी विविध रेंज प्रदर्शित करेंगे। इस प्रतिष्ठित एक्सपो में 45,000 से अधिक ट्रेड विजिटर्स, खरीदारों और व्यापार बिरादरी के सदस्यों के शामिल होने की उम्मीद है, जिसमें भारत और विदेशों के समान संख्या में सामान्य विजिटर्स शामिल होंगे।

एलडीजेएस का पहला संस्करण एक बड़ी सफलता थी और नेस्को, मुंबई में 40,000 वर्ग फुट में फैला हुआ था। एलडीजेएस 2022 में 9 देश भाग लेंगे जिसमें 12 इंटरएक्टिव ट्रेड सेशन होंगे, 12 फैशन शो में मॉडल रैंप वॉक करते हुए भारत और दुनिया भर के विभिन्न मैन्युफैक्चरर्स और एक्ज़िबिटर्स की एलजीडीजेएस की एक श्रृंखला प्रदर्शित किया।उद्घाटन लैब ग्रोन डायमंड एंड ज्वैलरी प्रमोशन काउंसिल के चेयरपर्सन शशिकांत दलीचंद शाह ने किया। डोनाविट पूलसावत - काउंसिल जेनरल, रॉयल थाई काउंसलेट, मुंबई इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे, जबकि विशिष्ट अतिथि सवांगश्री, कॉन्सल और कार्यकारी निदेशक, थाई ट्रेड सेंटर थीं।अन्य विशिष्ट अतिथियों में भरत शाह, अध्यक्ष - एमडीएमए, आशीष पेठे, अध्यक्ष
- जीजेसी, मेहुल शाह वीपी-बीडीबी, अतुल जोगनी, वीपी - टीजीटीए थाईलैंड, अशोक गजेरा, सीएमडी - लक्ष्मी डायमंड, प्रशांत मेहता, अध्यक्ष जेएबी, चेतन मेहता वीपी
- आईबीजेए, घनश्याम ढोलकिया, एचके ग्रुप, पूर्व सांसद नरसिम्हन और कई अन्य शामिल थे।एलडीजेएस 2022 को भारत डायमंड बोर्स, सूरत डायमंड बोर्स, द मुंबई डायमंड मर्चेंट एसोसिएशन, द लैब-ग्रोन डायमंड एसोसिएशन - सूरत और हीरा ज़ेवरात (H Z) इंटरनेशनल का सपोर्ट हासिल है।

कैंसर पेशेंट विश्रामालय को मिली अपनी लॉन्ड्री

संवावदाता। मुंबई मीनू लाहोटी, अध्यक्षा, मध्य रेल महिला कल्याण संगठन ने हाल ही में भारत रत्न डॉ बी आर आंबेडकर मेमोरियल अस्पताल परिसर, भायखला के अंदर कैंसर रोगी विश्रामालय में लॉन्ड्री का उद्घाटन किया। यह लॉन्ड्री सामान्य रूप से और विशेष रूप से कैंसर रोगी के सभी व्यक्तिगत कपड़ों को साफ-सुथरा रखने में मदद करेगी। नीति सिंह, उपाध्यक्ष, तनुजा पंकज, महासचिव दिव्या शर्मा, कोषाध्यक्ष, डॉ. मीरा अरोड़ा, चिकित्सा निदेशक, रेलवे अस्पताल, भायखला और मध्य रेल की अन्य सदस्या भी इस अवसर पर उपस्थित थी.जुलाई, 2022 के महीने में मीनू लाहोटी, अध्यक्षा, मध्य रेल महिला कल्याण संगठन ने भायखला में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया था और रेलवे के कलाकारों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। मीनू लाहोटी, अध्यक्षा, मध्य रेल महिला कल्याण संगठन ने ठेका मजदूरों के बच्चों के लिए एक स्कूल मेरी पाठशाला का भी उद्घाटन किया और वाड़ी बंदर में 40 बच्चों को किताबें, कलम और पेंसिल वितरित की और उनसे बातचीत की तथा उन्हें उनके भविष्य के लिए बेहतर अध्ययन करने के लिए परामर्श दिया।जून 2022 के महीने में, मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन ने भी महिला स्वास्थ्य जांच और व्यक्तिगत स्वच्छता के लिए पहल की, जागरूकता पैदा करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल, सैनिटरी नैपकिन वितरित किए।

शॉपिंग सेंटर के बाहर गोलीबारी

मुंबई, महाराष्ट्र के मुंबई में दो अज़ात लोगों ने बांद्रा और खार के बीच लिंकिंग रोड़ पर एक शॉपिंग मॉल के बाहर गोलियां चलाई और भाग गए। हालांकि इस घटना में किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। खार पुलिस के अनुसार यह घटना गुरुवार शाम को करीब सात बजकर बीस मिनट पर हुई। पुलिस ने कहा कि दो आदमी मोटरसाइकिल पर आए और गजेबो शॉपिंग सेंटर पर रुके और हवा में तीन गोलियां चलाई और जमीन पर एक पत्र फेंककर भाग गए। स्टोर के मैनेजर की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कारतूसों को खोजने का प्रयास किया ताकि हथियार की पहचान हो सके। पुलिस ने वहां फेंके गए पत्र की जांच की। जिसमें हिंदी में लिखा था कि कोई भी यहां व्यापार करेगा उसे बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस दुकान के मालिक और कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है।

मोदी सरकार की झूठ संस्कृति से त्रस्त हो गया है देश : कांग्रेस

नयी दिल्ली कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि मोदी सरकार ने देश को झूठ की संस्कृति में धकेल दिया है और उसने जनता से 2022 तक जो भी काम पूरे करने के वादे किए थे उनमें से कोई भी पूरा नहीं हुआ है। कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस सरकार ने 2022 तक हर गरीब को घर देने, किसान की आय दोगुना करने, अहमदाबाद-मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन चलाने जैसे कई वादे जनता से किए थे लेकिन उनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने खाद्य सुरक्षा जैसी जो नीति बनाई थी उसका फायदा देश की जनता को कोरोना काल में मिला और मोदी सरकार उस कानून की वजह से गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध करा सकी है। इसी तरह से गरीब परिवारों को 100 दिन का रोजगार देने की गारंटी का कानून कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने पास कराया और इस मनरेगा कानून से देश के लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। प्रवक्ता ने कहा कि स्वाधीनता के 75 वर्ष मनाने के लिए अब सिर्फ दो दिन बचे है। ऐसा लगता है कि उस दिन प्रधानमंत्री बहुत उदास रहेंगे। इस उदासी का कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि श्री मोदी का सपना था कि 2022 में जब स्वाधीनता दिवस देश मना रहा होगा उस समय हर भारतीय के पास घर होगा। प्रधानमंत्री का सपना था कि 2022 में किसानों की आय दोगुना हो जाएगी, वह भी नही हुआ, प्रधानमंत्री का 2022 में अहमदाबाद से मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन चलाने का सपना था वह भी पूरा नहीं हुआ। इन सब हालातों को देख कर वह बहुत उदाश होंगे।

पुर्तगाल में मंकीपॉक्स के 770 मामले

लिस्बन, पुर्तगाल में मंकीपॉक्स के मामले बढ़कर 770 हो गए। यहां मई में पहला मामला सामने आया था। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (DGS) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुर्तगाली स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि पिछले सप्ताह 60 नए मामलों की पुष्टि की गई। उन्होंने बताया कि राजधानी लिस्बन और पोर्टो, उत्तरी पुर्तगाल में मामले पाए गए। यहां मंकीपॉक्स वायरस की चपेट में आए 43 फीसदी लोग 30-39 आयु वर्ग के हैं। डीजीएस ने बताया कि मंकीपॉक्स संक्रमितों में से 99.3 प्रतिशत मरीज पुरुष हैं और महिलाओं में केवल पांच मामले ही सामने आए हैं। पुर्तगाल ने 16 जुलाई से मंकीपॉक्स से ग्रस्ति मरीजों के लिए टीकाकरण शुरू कर दिया है और अब तक 70.2 प्रतिशत पात्र लोगों को टीका लगाया जा चुका है। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 23 जुलाई को मंकीपॉक्स को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (health emergency) घोषित किया। डब्ल्यूएचओ ने रविवार को कहा कि वैश्विक स्तर पर 27,814 मामले सामने आए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका (7,510), स्पेन (4,577) और जर्मनी (2,887) सूची में शीर्ष पर होने के साथ पुर्तगाल इस बीमारी से सबसे अधिक प्रभावित 10 देशों में से एक है।

डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म "लाइफ ऑफ ए डोजो मास्टर" स्क्रीनिंग और प्रेस कॉन्फ्रेंस मुंबई में भव्य तरीके से सम्पन्न हुआ

'एम्प्टी हैंड कॉम्बैट' के कॉस्मो ज़िमिक की डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म "लाइफ ऑफ़ ए डोजो मास्टर' को 'यजनेश शेट्टी के सहयोग से रिलीज़ किया गया

कुंग फू मास्टर कॉस्मो ज़िमिक अमेरिका से मुंबई आए और 8 अगस्त, 2022 को करमवीर स्पोर्ट्स क्लब,अंधेरी (वेस्ट), मुंबई में चीता यजनेश शेट्टी के साथ एक भव्य प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया, जहां कॉस्मो ज़िमिक के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'लाइफ ऑफ ए डोजो मास्टर' रिलीज़ किया गया। इसे चीता जीत कुने डू ग्लोबल स्पोर्ट्स फेडरेशन और एम्प्टी हैंड कॉम्बैट के सहयोग से प्रस्तुत किया गया। इनका कहना है कि आज के समय के लिए एक बहुत जरूरी डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म है, जो लोगों को कुछ करने की प्रेणना देगी। इस अवसर पर कॉस्मो ज़िमिक,सारा लैंग ज़िमिक,सगून वाघ,श्रीदेवी शेट्टी वाघ,अमरजीत शेट्टी और चीता यजनेश शेट्टी ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। "लाइफ ऑफ ए कुंग फू मास्टर" मास्टर कॉस्मो ज़िमिक के जीवन के एक सप्ताह की कहानी है, जो भारत के मणिपुर के सुदूर क्षेत्र में पैदा हुआ हुए और बाद में अमेरिका जाकर बस गए। मास्टर कॉस्मो को 8वीं डिग्री ब्लैक बेल्ट प्रदान करने वाले चीता जीत कुने डू ग्लोबल स्पोर्ट्स फेडरेशन के संस्थापक ग्रैंडमास्टर चीता यजनेश शेट्टी कहते हैं, "यह डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म लोगों को कुछ कर गुजरने की शिक्षा देती है और इससे उनका मनोबल बढ़ेगा। कॉस्मो ज़िमिक दुनिया के लिए एक उदाहरण है, जिन्होंने मार्शल आर्ट को एक अलग मुकाम दिया और लोगों को बताया कि मार्शल आर्ट लोगों को कुछ देने में विश्वास रखता है, ना कि लेने में। इसके जरिये कॉस्मो ने लाखो लोगों की मदद की और काफी लोगों को फ्री शिक्षा देकर उन्हें एक काबिल इंसान बनाया और उनके जीवन को एक मकसद दिया।" मास्टर कॉस्मो जिमिक कहते हैं, "आइए इस विश्व समुदाय में दूसरों की मदद करने के लिए कुछ करें। यह फिल्म आपको अच्छा करने के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करेगा और दुनिया को बदलने के लिए जीवन को प्रभावित करेगा जैसे कि हम दोनों कोशिश कर रहे है। इंसान को कोशिश करते रहना चाहिए, चाहे सफलता मिले या ना मिले। लेकिन एक ना एक दिन कोशिश जरूर कामयाब होती है।"

अनुब्रत मंडल से सीबीआई करेगी अवैध पशु व्यापार मामले में पूछताछ

कोलकता, पश्चिम बंगाल में आसनसोल की एक विशेष अदालत के तृणमूल कांग्रेस नेता अनुब्रत मंडल को 10 दिनों की केन्द्रीय जांच ब्यूरो हिरासत का आदेश देने के कुछ घंटों बाद उन्हें कोलकता लाया गया। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बाहुबली नेता अनुब्रत मंडल पर मवेशियों का अवैध व्यापार करने के आरोप हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सीबीआई उनसे मवेशियों के बढ़ते हुए अवैध व्यापार में उनकी भूमिका और उनकी चल-अचल संपत्तियों के बारे में पूछताछ करेगी। मंडल पश्चिम बंगाल में कोयला तस्करी और चुनाव के बाद हिंसा के भी आरोपी हैं, जिसकी जांच भी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कर रही है। सभी मामलों की जांच कलकता उच्च न्यायालय की निगरानी में हो रही हैं। बासठ वर्षीय मंडल, बीरभूमि में तृणमूल के जिला अध्यक्ष हैं और दक्षिण बंगाल के जिलों में बहुत प्रभावी और शक्तिशाली माने जाते हैं। उन्हें गुरुवार पूर्वाह्न लगभग 10 बजे उनके निचुपट्टी स्थित निवास से गिरफ्तार किया गया, जब वे मवेशियों के सीमा पार व्यापार में अपनी कथित संलिप्तता में जारी सीबीआई के 10वें समन में शामिल नहीं हुए।

पंचायत स्तर पर होगी सहकारी समितियां : अमित शाह

नयी दिल्ली 12 अगस्त (वार्ता) सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह (Amit Shah) ने सहकारिता के माध्यम से कृषि ऋण के वितरण में गिरती प्रवृति पर गहरी चिन्ता व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि सरकार सहकारी समितियों का विस्तार पंचायत स्तर पर करने का हरसंभव प्रयास कर रही है।

शाह ने यहां ग्रामीण सहकारी बैंकों के राष्ट्रीय सम्मेलन (national convention)को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्ष 1992 से लगातार सहकारिता के माध्यम से कृषि ऋण के वितरण में कमी आ रही है । राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक- नाबार्ड की रिपोर्ट में भी इसकी चर्चा की गयी है । उन्होंने कहा कि देशभर में 13 करोड़ लोग पैक्स के सदस्य हैं और 65 हजार पैक्स अच्छे ढंग से काम कर रहे हैं । पैक्स के माध्यम से किसानों को दो लाख करोड़ रुपये का कृषि ऋण मिलता है जिसे बढाकर दस लाख करोड़ रुपये करने का लक्ष्य निर्धारित किया जाना चाहिए।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि ग्रामीण सहकारी बैंको से सीधे किसानों को अधिक से अधिक ऋण मिले इसके लिए योजना (scheme) बनायी जा रही है । ग्रामीण सहकारी बैंकों से किसानों को मध्यम और लम्बी अवधि का ऋण मिले इसके लिए भी प्रयास किये जा रहे हैं । उन्होंने कहा कि देशभर में पैक्स का एक नियमावली हो इस दिशा में तेजी से प्रयास किये जा रहे हैं और 15 दिनों के अंदर इस संबंध में निर्णय ले लिया जायेगा ।

शाह ने पैक्स को सहकारिता की आत्मा बताते हुए कहा कि इसके बिना कृषि ऋण व्यवस्था सही नहीं हो सकती है।

उन्होंने कहा कि देश में करीब तीन लाख ग्राम पंचायत हैं जिनमें से लगभग दो लाख पंचायतों में पैक्स का गठन किया जाना है । पैक्स के कामकाज में पारदर्शिता लाने और लोगों की कार्यक्षमता बढाने के लिए इनका कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है तथा सरकार ने इसके लिए 2500 करोड़ रुपये आवंटित किये हैं ।

उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति का आर्थिक विकास किया जा सकता है। देशभर में साढे आठ लाख सहकारी संस्थाएं हैं तथा 34 राज्य सहकारी बैंकों के 2000 शाखाओं के माध्यम से कृषि ऋण का वितरण किया जाता है । उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में सहकारिता फला फूला, कुछ राज्यों में यह संघर्ष कर रहा है और कुछ राज्यों में यह किताबों तक सिमट कर रह गया है ।

उन्होंने कहा कि सहकारिता के आयाम को व्यापक बनाया जा रहा है तथा इसके माध्यम से अब न केवल कृषि ऋण का वितरण किया जायेगा बल्कि गैस वितरण , जल वितरण , किसान उत्पादक संगठन , भंडारण तथा वितरण का कार्य भी किया जायेगा। समारोह को कई अन्य वक्ताओं ने भी सम्बोधित किया।

टोरंटो में सेरेना की हार के साथ विदाई

आखिरी मैच हारीं सेरेना, नम आंखों से कहा, अलविदा टोरंटो

टोरंटो। दिग्गज टेनिस प्लेयर सेरेना विलियम्स को टोरंटो में नम आंखों के साथ दर्शकों ने विदाई दी। सेरेना को यहां अपने अतिंम मुकाबले में हार के साथ विदाई मिली। गौरतलब है कि 23 ग्रैंड स्लैम जीत चुकी सेरेना अमेरिकी ओपन के बाद संन्यास लेने की घोषणा कर चुकी हैं।

बेलिंडा बेनसिक ने गुरुवार को यहां नेशनल बैंक ओपन में तीन बार की चैंपियन सेरेना विलियम्स को 6-2, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वोग में अपना आखिरी मैच खेलते हुए संन्यास लेने वाली विलियम्स को टोरंटो के दर्शकों ने उनका अभिवादन किया, जब वह कोर्ट पर थीं। विलियम्स 2021 के बाद से अपना पहला बैक-टू-बैक एकल मैच जीतने के लिए मशक्कत कर रही थीं।

उन्होंने रोलैंड गैरोस में नूरिया पारिजास डियाज पर सीधे सेटों में टोरंटो का पहला मैच जीता था। लेकिन 2015 में इसी कोर्ट पर अपने यादगार सेमीफाइनल मैच में, बेनसिक अपनी सर्विस से मैच को शुरू से अंत तक नियंत्रित करने में सक्षम रही थीं। स्विट्जरलैंड की 25 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी को मैच में सिर्फ एक ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा, जिसे उन्होंने बचा लिया। मैच के बाद, विलियम्स कोर्ट पर रुकी और टोरंटो के दर्शकों ने उनको नम आंखों से विदाई दी। विलियम्स ने कहा, यह स्पष्ट रूप से बहुत अलग भावनाएं हैं। मुझे यहां खेलना हमेशा से पसंद है। काश मैं और बेहतर खेल पाती, लेकिन बेलिंडा ने बहुत अच्छा खेल दिखाया। यह 24 घंटे दिलचस्प रहा। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने पहले कहा थाए मुझे अलविदा कहना अच्छा नहीं लगता। लेकिन फ्रिर भी अलविदा टोरंटो।

किर्गियोस ने डेनियल मेदवेदेव को हराया

मां को समर्पित की जीत

मॉन्ट्रियल। निक किर्गियोस ने मॉन्ट्रियल में एक हैवीवेट नेशनल बैंक ओपन के दूसरे दौर में दुनिया के नंबर 1 डेनियल मेदवेदेव को 6-7, 6-4, 6-2 से हरा दिया। जीत के बाद ऑस्ट्रेलियाई टेनिस स्टार ने अपनी मां को एक भावनात्मक संदेश भेजा, जो अस्पताल में भर्ती हैं। किर्गियोस ऑन कोर्ट कैमरे के पास गए और बोले बी स्ट्रॉन्ग मां। जुलाई में विंबलडन के फाइनल में पहुंचने के बाद से 27 वर्षीय खिलाड़ी ने दुनिया के नंबर 1 डेनियल मेदवेदेव को तीन सेटों में हरा कर शानदार प्रदर्शन करना जारी रखा। किर्गियोस ने कहा, यह हमारी चौथी मुलाकात है और मुझे अतीत में उनके खिलाफ कुछ सफलता मिली है। लेकिन उसने मुझे पहले भी हराया है। मुझे ऐसा लगता है कि हम एक-दूसरे के खेल को अच्छी तरह से जानते हैं। मैं उस प्रकार का खिलाड़ी नहीं हूं। 2014 में विंबलडन में राफेल नडाल को हराने के बाद किर्गियोस की ये दूसरी जीत है। वह क्यूबेक में तीसरे दौर में देश के एलेक्स डी मिनौर से भिड़ेंगे।

सिनसिनाटी ओपन में खेलेंगे नडाल

सिनसिनाटी। राफेल नडाल ने पुष्टि की है कि वह वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन के लिए सिनसिनाटी जाएंगे। जहां वह वर्ल्ड नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी बन सकते है। अगर नडाल एटीपी मास्टर्स 1000 का खिताब जीतते हैं और वर्तमान विश्व नंबर 1 डेनियल मेदवेदेव क्वॉर्टर फाइनल में पहुंचने में विफल रहते हैं, तो नडाल एटीपी रैंकिंग के शीर्ष पर पहुंच जाएंगे। विंबलडन ओपन के दौरान पेट की चोट के कारण सेमीफाइनल से ठीक पहले टूर्नामेंट से हटने के बाद 36 साल के खिलाड़ी अपने पहले प्रतिस्पर्धी मैच के लिए तैयार हैं। नडाल ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में अपनी वापसी की पुष्टि की, जहां उन्होंने कहा, सिनसिनाटी ओपन में फिर से खेलने के लिए तैयार हूं। साल 2013 के सिनसिनाटी चैंपियन नडाल का एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में 22-11 का रिकॉर्ड है और सात मौकों पर क्वॉर्टर फाइनल या इसे आगे बढ़े हैं। उन्होंने साल 2017 के बाद से हार्ड कोर्ट पर प्रतिस्पर्धा नहीं की है, जब वह क्वॉर्टर में किर्गियोस से हार गए थे।

पदक के साथ घर लौटना शानदार

हॉकी प्लेयर संगीता कुमारी ने साझा किए अनुभव

नई दिल्ली । बर्मिंघम 2022 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी संगीता कुमारी ने अपने पहले राष्ट्रमंडल अनुभव के बारे में कहा कि एक पदक के साथ घर लौटना बेहद खास अनुभव था।

उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 के कांस्य पदक मैच में पिछली बार की स्वर्ण पदक विजेता न्यूजीलैंड को हराकर राष्ट्रमंडल पदक के 16 साल के सूखे को समाप्त किया था। 20 वर्षीय संगीता ने इसके बारे में कहा, एक पदक के साथ घर लौटना बेहद ही खास एहसास है। घर में त्योहार जैसा माहौल है। हमारे गांव में सभी लोग बेहद खुश और उत्साहित हैं। वह कहते हैं कि यह झारखंड के लिये गौरव का क्षण है। मेरा खयाल है कि पोडियम पर खड़े होने के अनुभव को भूलने में कुछ समय लगेगा। उन्होंने पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेने के बारे में कहा, मैं पहले-पहल काफी दबाव में थी, लेकिन टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों ने कहा कि इस तरह महसूस करना आम बात है, खासकर एक बड़े खेल आयोजन में। मैं उनके समर्थन की आभारी हूं।

संगीता ने सेमीफाइनल की हार के बारे में कहा, हमने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन दुर्भाग्यवश नतीजा हमारे पक्ष में नहीं रहा। आसान शब्दों में कहूं तो वह हमारा दिन नहीं था। बहरहाल, हमें ऑस्ट्रेलिया के प्रदर्शन को नहीं भूलना चाहिये जो शानदार था। हम इन नतीजों से निराश हैं लेकिन अपनी गलतियों से सीखकर भविष्य में बेहतर करना चाहते हैं।

एमआई केप टाउन में रबाडा राशिद, लिविंग्स्टन शामिल

मुंबई इंडियंस की टीम ने किया पांच खिलाड़ियों से अनुबंध

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका की घरेलू टी20 लीग में मुंबई इंडियन्स की टीम एमआई केप टाउन ने गुरुवार को लीग के पहले संस्करण के लिए कगिसो रबाडा और डेवाल्ड ब्रेविस सहित पांच खिलाड़ियों को अनुबंधित करने की घोषणा की।

एमआई केप टाउन ने कहा कि प्री-ऑक्शन साइनिंग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी कगिसो रबाडा और एक अनकैप्ड खिलाड़ी डेवाल्ड ब्रेविस के अलावा अफगानिस्तान के राशिद खान, इंग्लैंड के सैम करन और लियाम लिविंगस्टोन को शामिल किया गया है। रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा, हमने एमआई केप टाउन का आगाज कर दिया है, इस शुरूआत से हम उत्साहित हैं। मुझे एमआई परिवार में राशिद, रबाडा, लियाम, सैम का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। डेवाल्ड भी हमारे साथ होंगे। मुझे यकीन है कि एमआई केपटाउन, अन्य दो टीमों की तरह निडर क्रिकेट खेलेगी। उन्होंने कहा, अनुबंधित किए गए खिलाड़ी वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और अनकैप्ड डेवाल्ड ब्रेविस 2022 में मुंबई इंडियंस के साथ एक सफल सीजन खेल चुके हैं। खिलाड़ियों को नीलामी से पहले टी20 लीग को नियंत्रित करने वाले नियमों के अनुसार अनुबंधित किया गया है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट पर नस्लवाद का आरोप

रॉस टेलर ने हैरान कर देने वाला आरोप लगाते हुए कहा, मैं नस्लवाद का शिकार हुआ

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान और धाकड़ बल्लेबाज रॉस टेलर ने हैरान कर देने वाला खुलासा करते हुए कीवी क्रिकेट पर नस्लवाद के आरोप लगाए हैं। रॉस टेलर ने अपनी आत्मकथा ब्लैक एंड व्हाइट में आरोप लगाया है कि उन्हें अपने करियर के दौरान नस्लवाद का सामना करना पड़ा था।

टेलर ने अपनी किताब में लिखा है कि न्यूजीलैंड में क्रिकेट गोरे लोगों का खेल था। टेलर के अनुसार, अपने करियर के ज्यादातर हिस्से में मैं एक अपवाद था। गोरे लोगों की टीम में एक सांवला चेहरा। इसके साथ चुनौतियां जुड़ी होती हैं, जिनमें से कई आपकी टीम के साथियों या क्रिकेट देखने वाली जनता को नहीं दिखतीं। क्योंकि क्रिकेट में पोलिनेशियन समुदाय का प्रतिनिधित्व बेहद कम है। 2006 में अपने करियर की शुरुआत करने वाले टेलर ने आगे सवाल किया, आप सोचते हैं कि क्या ऐसे लोगों से बात करनी चाहिये, मगर फिर यह चिंता रहती है कि कहीं आप कोई बड़ी समस्या न खड़ी कर दें, या आप पर मजाक को नस्ल से जोड़ने का आरोप न आ जाये। इन सब बातों को नजरअंदाज करना और इनका आदी हो जाना आसान है, लेकिन क्या यह करना ठीक है?

टेलर ने 16 साल के अपने करियर में न्यूजीलैंड के लिये 112 टेस्ट, 236 एकदिवसीय और 102 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। न्यूजीलैंड क्रिकेट एनजेडसी ने कहा, एनजेडसी नस्लवाद का विरोध करता है, और न्यूजीलैंड मानवाधिकार आयोग के गिव नथिंग टू रेसिजम अभियान का कड़ा समर्थक है। हमें बेहद अफसोस है कि रॉस को इस तरह के बर्ताव का सामना करना पड़ा।

मुझे लोग भारतीय समझ लेते थे

मुझे आश्चर्य नहीं होता था जब लोग मुझे माओरी या भारतीय समझ लेते थे। इसी साल क्रिकेट से रिटायर हुए टेलर अपनी मां की तरफ से समोआ से संबंधित थे। उनका कहना है कि उनके साथ होने वाली नस्लवादी टिप्पणियों को ज्यादातर मजाक ही समझा जाता था। उन्होंने कहा, कई मायनों में, ड्रेसिंग रूम मजाक का मापदंड होता है। टीम का एक साथी मुझसे कहता था, रॉस, तुम आधे अच्छे आदमी हो, लेकिन कौन सा आधा हिस्सा अच्छा है? आप नहीं जानते कि मैं कौनसे हिस्से को अच्छा कह रहा हूं। मुझे पूरा यकीन था कि मैं जानता था। अन्य खिलाड़ियों को भी अपनी जातीयता पर आधारित टिप्पणियां बर्दाश्त करनी होती थीं। टेलर ने कहा, जाहिर है, एक पाकेहा न्यूजीलैंड का श्वेत व्यक्ति इस तरह की टिप्पणियों को सुनकर सोचता होगा।

जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में भावनगर मंडल से होकर चलने वाली 2 ट्रेनों में लगाए जाएंगे अतिरिक्त कोच

देवभूमि द्वारका में जन्माष्टमी त्योहार के उपलक्ष्य में प्रति वर्ष मेला आयोजित किया जाता है। इस मेले में जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा भावनगर मंडल से होकर चलने वाली 2 ट्रेनों में अस्थायी तौर पर दो अतिरिक्त जनरल कोच जोड़ने का निर्णय लिया गया है।

भावनगर डिविजन के सीनियर डीसीएम माशूक अहमद के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है ट्रेन नंबर 19209 भावनगर-ओखा एक्सप्रेस में 13.08.2022 से लेकर 21.08.2022 तक भावनगर-ओखा के बीच दो अतिरिक्त जनरल कोच लगाए जाएंगे। ट्रेन नंबर 19210 ओखा-भावनगर एक्सप्रेस में 14.08.2022 से लेकर 22.08.2022 तक ओखा-भावनगर के बीच दो अतिरिक्त जनरल कोच लगाए जाएंगे।

जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में राजकोट मंडल से होकर जानेवाली 4 ट्रेनों में लगाए जाएंगे अतिरिक्त कोच

देवभूमि द्वारका में जन्माष्टमी त्योहार के उपलक्ष्य में प्रति वर्ष मेला आयोजित किया जाता है। इस मेले में जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा राजकोट मंडल से होकर जानी वाली 4 ट्रेनों में अस्थायी तौर पर दो अतिरिक्त जनरल कोच जोड़ने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम अभिनव जेफ के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैट्रेन नं 19209 भावनगर-ओखा एक्सप्रेस में 13.08.2022 से लेकर 21.08.2022 तक भावनगर-ओखा के बीच दो अतिरिक्त जनरल कोच लगाए जाएंगे। ट्रेन नं 19210 ओखा-भावनगर एक्सप्रेस में 14.08.2022 से लेकर 22.08.2022 तक ओखा-भावनगर के बीच दो अतिरिक्त जनरल कोच लगाए जाएंगे। ट्रेन नं 09479 राजकोट-ओखा स्पेशल में 13.08.2022 से लेकर 21.08.2022 तक राजकोट-ओखा के बीच दो अतिरिक्त जनरल कोच लगाए जाएंगे। ट्रेन नं 09480 ओखा-राजकोट स्पेशल में 14.08.2022 से लेकर 22.08.2022 तक ओखा-राजकोट के बीच दो अतिरिक्त जनरल कोच लगाए जाएंगे।

सरकारी स्कूलों के विलय का प्रस्ताव नियोजन स्तर पर: सावंत

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा है कि उन सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के विलय का प्रस्ताव नियोजन स्तर पर है, जिनमें पढ़ने वाले छात्रों की संख्या बहुत कम है। उन्होंने कहा कि इस मामले पर अभिभावकों और शिक्षकों के साथ चर्चा जारी है। सावंत ने बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए सरकारी स्कूलों के प्रस्तावित विलय के खिलाफ आम आदमी पार्टी (आप) जैसे राजनीतिक दलों की तरफ से जाहिर की गईं आशंकाओं को दूर करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, प्रस्ताव नियोजन स्तर पर है और अंतिम निर्णय पर पहुंचने से पहले अभिभावकों व शिक्षकों के साथ चर्चा की जा रही है। आम आदमी पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को गोवा के शिक्षा निदेशक शैलेश जिंगड़े से मुलाकात कर विलय के लिए सूचीबद्ध सरकारी स्कूलों का जिम्मा स्वयं लेने की पेशकश की थी। आप की गोवा इकाई के अध्यक्ष अमित पालेकर ने दावा किया था कि उनकी पार्टी दिल्ली मॉडल की तर्ज पर इन स्कूलों का संचालन कर सकती है।

सुशील मोदी का यह दावा बकवास कि मैं उपराष्ट्रपति बनना चाहता था : सीएम नीतीश

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी के उस दावे को बकवास व फर्जी करार दिया कि वह (नीतीश) भारत का उपराष्ट्रपति बनना चाहते थे। पटना में बृहस्पतिवार को पत्रकारों ने नीतीश से सवाल किया कि क्या उपराष्ट्रपति नहीं बनाए जाने के कारण उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) छोड़ा। इस पर, नीतीश ने कहा, हमारे उपराष्ट्रपति बनने की इच्छा वाली बात बकवास है। हमारी ऐसी कोई इच्छा नहीं थी। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव में हमारी पार्टी ने पूरी तरह से राजग उम्मीदवार को समर्थन दिया था। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव के बाद ही हमने पार्टी की बैठक की। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी के दावे के बारे में नीतीश ने कहा, सुशील कुमार मोदी जी को उनकी पार्टी ने कुछ नहीं बनाया तो वे इस तरह की बात बोल रहे हैं। वे इतना मेरे खिलाफ बोलते रहे ताकि उनको जगह मिल जाए। उन लोगों के विषय में हमे कुछ भी नहीं कहना है। जदयू नेता नीतीश ने दावा किया, 2020 विधानसभा चुनाव के बाद हम मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते थे। हमारी पार्टी के कार्यकर्ता उनके उम्मीदवारों को जिताने में लगे थे और वो लोग हमारी पार्टी के उम्मीदवारों को हराने में लगे थे। हमारी पार्टी के लोगों की उनके साथ रहने की इच्छा नहीं थी। उनसे अलग होकर हम फिर से इनके (महागठबंधन) साथ आ गए हैं और मिलकर काम करेंगे। उन्होंने केंद्र में सत्तासीन भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, पूरी मजबूती के साथ विपक्ष एकजुट होकर आगे बढ़ने की कोशिश करेगा। जो लोग सत्ता में हैं, जितना प्रचार करना है, करते रहें। मंत्रिमंडल विस्तार के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शीघ्र ही मंत्रिमंडल का विस्तार होगा।

भाजयुमो नेता की हत्या मामले में तीन मुख्य संदिग्ध गिरफ्तार

मंगलुरु। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के नेता प्रवीण नेत्तार की हत्या के मामले में तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। दक्षिण कन्नड़ ग्रामीण जिले के अधीक्षक ऋषिकेश भगवान सोनवाने ने पीटीआई-भाषा से कहा, हां, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। हम जानकारियां बाद में साझा करेंगे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दक्षिण कन्नड़ जिले में बेल्लारे के समीप नेत्तारू गांव में तीन सप्ताह पहले नेत्तार की कथित तौर पर हत्या करने वाले तीन लोगों को पड़ोसी केरल से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोग दक्षिण कन्नड़ जिले में सूल्या और पुत्तूर से हैं।

दुर्घटना में जान गंवाने वाले व्यक्तियों की विवाहित बेटियां भी मुआवजे की हकदार: कोर्ट

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कहा है कि दुर्घटना में अपने माता-पिता के मारे जाने पर विवाहित बेटियां भी बीमा कंपनियों से मुआवजा पाने की हकदार हैं। अदालत ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने माना है कि विवाहित बेटे भी ऐसे मामलों में मुआवजे के हकदार हैं। उच्च न्यायालय ने कहा, यह न्यायालय भी विवाहित बेटों और बेटियों में कोई भेदभाव नहीं कर सकता। लिहाजा इस तर्क को स्वीकार नहीं किया जा सकता कि मृतक की विवाहित बेटियां मुआवजे की हकदार नहीं हैं। न्यायमूर्ति एच. पी. संदेश की एकल पीठ ने एक बीमा कंपनी द्वारा दाखिल एक याचिका पर सुनवाई की। याचिका में 12 अप्रैल, 2012 को उत्तर कर्नाटक में यमनूर, हुबली के पास हुई दुर्घटना में जान गंवाने वाली रेणुका (57) की विवाहित बेटियों को मुआवजा देने के आदेश को चुनौती दी गई थी। रेणुका के पति, तीन बेटियों और एक बेटे ने मुआवजे की मांग की थी। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने परिवार के सदस्यों को छह प्रतिशत की वार्षिक ब्याज दर के साथ 5,91,600 रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया था। बीमा कंपनी ने इस आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती देते हुए एक याचिका दाखिल की, जिसमें कहा गया कि विवाहित बेटियां मुआवजे का दावा नहीं कर सकतीं। याचिका में यह भी कहा गया कि वे आश्रित नहीं हैं। इसलिए निर्भरता नहीं होने पर मुआवजा देना गलत है। हालांकि अदालत ने बीमा कंपनी की इन दलीलों को खारिज कर दिया।

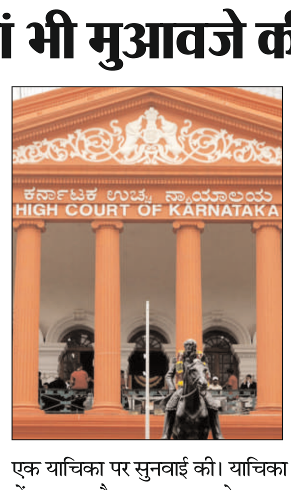

बोम्मई ने मुख्यमंत्री पद पर उनकी जगह किसी और को नियुक्त करने की अटकलों को किया खारिज

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले उनके पद पर किसी और को नियुक्त करने की खबरों को निराधार एवं झूठा करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार स्थिर है और स्थिर ही बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि वह राज्य और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए कड़ी मेहनत से काम करते रहेंगे। कोरोना वायरस संक्रमण से उबरने के बाद बृहस्पतिवार को अपनी नियमित दिनचर्या में लौटने के बाद इन अटकलों पर मुख्यमंत्री ने अपनी पहली प्रतिक्रिया दी।बोम्मई छह अगस्त को संक्रमित पाए जाने के बाद से ही घर पर पृथक-वास में थे। भाजपा की राज्य इकाई के भीतर शीर्ष नेतृत्व सहित कई पदों पर बदलावों की अटकलें कई दिनों से हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की राज्य की हालिया यात्रा के बाद से यह खबरें अधिक आ रही हैं। कांग्रेस द्वारा पिछले दो दिन में किए गए कई ट्वीट में बोम्मई को हटाए जाने, राज्य को जल्द तीसरा मुख्यमंत्री मिलने का दावा किया गया और बोम्मई को दूसरों के इशारों पर चलने वाला मुख्यमंत्री भी कहा गया। बोम्मई ने कहा, यह काफी दिलचस्प है कांग्रेस पहली बार ऐसे ट्वीट नहीं कर रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि उनके दिमाग में कोई बात है जिसे वे राज्य के लोगों के बीच फैलाना चाहते हैं मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों पर कांग्रेस के ट्वीट के संदर्भ में किए एक सवाल के जवाब में बोम्मई ने कहा, मैं एक स्थिर मन वाला व्यक्ति हूं, क्योंकि मैं सच्चाई से वाकिफ हूं। इस तरह की बातों का कोई आधार नहीं है, क्योंकि ए राजनीति से प्रेरित हैं। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि इस तरह की बातों से उनका मनोबल और बढ़ गया है और वह राज्य तथा उसके लोगों के लिए अधिक काम करने के लिए प्रेरित हैं।

‘लाल सिंह चड्ढा’ का बायकॉट देख ‘महाभारत’ बनाने से डरे आमिर खान?

कुछ साल पहले आमिर खान को लेकर खबर थी कि वो महाभारत पर फिल्म बनाना चाहते हैं और इस पर काफी समय से विचार कर रहे हैं। आमिर ने उस वक्त अपने कई इंटरव्यू में बताया था कि वह कृष्ण के अलावा कर्ण से काफी प्रभावित हैं। पर्दे पर वो कौन सा किरदार निभाना चाहते हैं इस पर वह कृष्ण और कर्ण के बीच कन्फ्यूज हैं। हालांकि इस फिल्म के डेवलपमेंट को लेकर काफी समय से कोई खबर नहीं है। आमिर की ‘लाल सिंह चड्ढा’ आने वाले शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसी दौरान आमिर ने ‘महाभारत’ के बारे में भी बात की।

क्या बनाएंगे ‘महाभारत’

आमिर ने ‘महाभारत’ के लिए 2018 में राकेश शर्मा की बायोपिक छोड़ दी थी। रिपोर्ट थी कि ‘महाभारत’ का बजट लगभग 1000 करोड़ होगा। अपने इस ड्रीम प्रोजेक्ट पर आमिर ने बात करते हुए कहा, ‘जब आप महाभारत पर फिल्म बना रहे हैं तो आप सिर्फ फिल्म नहीं बना रहे हैं आप यज्ञ कर रहे हैं। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह और भी बहुत कुछ है। यही वजह है कि मैं अभी इसके लिए तैयार नहीं हूं। मैं इसे करने से डरता हूं। महाभारत आपको कभी निराश नहीं करेगा लेकिन आप महाभारत को निराश कर सकते हैं।’

अंकिता लोखंडे के लेटेस्ट फोटोशूट ने किया इंटरनेट का पारा हाई

अंकिता लोखंडे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। अंकिता अक्सर अपनी हॉट और बोल्ड तस्वीरों से फैंस के होश उड़ाती रहती हैं। खाली में अंकित ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में अंकिता वॉशरूम में बाथ टब में पोज देती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों पर सोशल मीडिया यूजर्स अपनी प्रतिक्रिआएं दे रहे हैं। अंकिता लोखंडे की लेटेस्ट तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। इन फोटोस में अंकिता पोज देने के लिए वॉशरूम में बाथ टब में जा बैठी हैं। अंकिता बाथ टब के साथ अलग-अलग पोज देती नजर आ रही हैं। इन फोटोस में एक्ट्रेस को ब्लू क्रॉप टॉप और जींस में देखा जा सकता है। इसके साग ही उन्होने ब्लू कलर की ही शर्ट भी पहनी हुई हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए अंकिता ने कैप्शन में लिखा बॉर्न विद गुड जींस। सोशल मीडिया यूजर्स अंकिता की इन तस्वीरों पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोग अंकिता के इस लुक की तारीफ कर रहे हैं। वहीं कुछ यूजर उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, लगता है बाथरूम में गिर गई बेचारी। वहीं, अंकिता के फैंस उन्हें क्यूट और हॉट बुला रहे हैं। आपको बता दें कि कुछ समय पहले अंकिता और विकी ने रियलिटी शो इस्मार्ट जोड़ी में पार्टिसिपेट किया। दोनों ने शो की ट्रॉफी और 25 लाख का इनाम भी जीता। जिसके बाद कपल ने दोस्तों और परिवार के साथ जीत को सेलिब्रेट किया।

दो पत्नी-चार बच्चे वाले इस मशहूर सिंगर ने उर्वशी को किया प्रपोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला की गिनती मौजूदा समय की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में होती है। उनके किलर लुक और फैशन के लाखों दीवाने हैं। सोशल मीडिया पर इसकी झलक देखने को मिलती है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने मैरिज प्रपोजल के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने एक ऐसा खुलासा कर दिया है जिसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे। एक मीडिया हाउस को दिए इंटरव्यू में एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि क्या कभी उन्हें अजीबोगरीब शादी का प्रस्ताव मिला है? इस पर उर्वशी ने हां में जवाब दिया। एक्ट्रेस ने कहा मिस्त्र एक मशहूर सिंगर ने उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया था। लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया था। बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने इसके पीछे की वजह भी बताई थी। उन्होंने बताया कि सांस्कृतिक रूप से हमारे बीच काफी अंतर था इसलिए मुझे इस प्रपोजल को रिजेक्ट करना पड़ा। साथ ही एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उस सिंगर की दो पत्नियां और चार बच्चे भी हैं। उर्वशी ने बताया कि उनका इस तरह के कई प्रस्ताव से सामना हो चुका है, लेकिन ऐसे बड़े फैसलों के लिए बहुत सी चीजों का ध्यान रखना पड़ता है। खासतौर पर महिलाओं को काफी कुछ सोचना पड़ता है क्योंकि यह इतना आसान नहीं है। इस इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने उस सिंगर के नाम का खुलासा तो नहीं किया लेकिन उन्होंने यह बात जरूर मानी कि वह मिस्त्र से हैं और उनकी मुलाकात दुबई में हुई थी। एक्ट्रेस के इस खुलासे के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने सिंगर को लेकर कयास लगाने शुरू कर दिए हैं। एक शख्स ने इस वीडियो पर कमेंट करते हुए मिस्त्र के गायक मोहम्मद रमजान का नाम लिखा है। बता दें कि उर्वशी इस सिंगर के साथ साल 2021 में एक इंटरनेशनल म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं। इस गाने का नाम वर्सेस बेबी था।

करीना कपूर

की तीसरी प्रेग्नेंसी का सच आया सामने!

करीना कपूर खान क्या तीसरी बार मां बनने वाली हैं? सोशल मीडिया पर यह खबर काफी ज्याजा वायरल तब होने लगी थी जब उनकी एक तस्वीर खूब वायरल हुआ। दरअसल करीना कपूर खान और सैफ अली खान की एक तस्वीर सोशल मीडिया में खूब वायरल हो रही थी, जिसे लेकर यह अफवाहें थे कि करीना कपूर खान प्रेग्नेंसी हैं। तस्वीर में उनका बेबी बंप देखा जा सकता था। यह खबर इतनी ज्यादा वायरल हुई कि करीना को सामने से आकर सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर एक बयान जारी करना पड़ा। इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर करते हुए करीना ने लिखा ‘शांत रहिए, मैं प्रेग्नेंट नहीं हूं। सैफ का कहना कि उसने पहले ही जनसंख्या में अपना काफी योगदान दे दिया हैं।’ आगे करीना ने हाहाहा की इमोजी भी बनाया। उस समय तो करीना कपूर खान ने अपनी मां बनने की खबरों को मजाकिया अंदाज में टाल दिया था लेकिन अब उन्होंने वायरल हुई तस्वीर की भी असलियत बताई हैं। ने हाल ही में एक इंटरव्यू में लंदन से वायरल हुई उनकी प्रेग्नेंट तस्वीर पर रिएक्शन दिया। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह जानती थी कि तस्वीर को मॉर्फ किया गया है लेकिन वह बस कुछ मजा करना चाहती थी। उन्होंने कहा कि मेरी ऑरिजनल तस्वीर के साथ छेड़छाड़ करके उसे वायरल किया गया। करीना ने पिंकविला के साथ एक साक्षात्कार में कहा, मैं परेशान नहीं होती, लेकिन मैं इसके साथ मस्ती करना चाहती थी क्योंकि तस्वीर को मॉर्फ किया गया था। तस्वीर को जब मैंने देखा तो मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं छह महीने की गर्भवती थी। लेकिन ऐसा नही था लेकिन मैंने सोचा थोड़ा मजे करते हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा, आप जानते हैं कि मैं छुट्टी पर थी, और हर कोई जानता है कि मैं किस तरह का व्यक्ति हूं। मैं बहुत खुली हूं, और अगर मैं गर्भवती थी तो मैं अपनी पिछली दोनों गर्भावस्था की तरह ही अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती। मैंने काम किया है। सैफ और करीना के दो बेटे हैं। उन्होंने 2016 में अपने पहले बेटे, तैमूर अली खान का स्वागत किया और उनके दूसरे बेटे, जहांगीर अली खान का जन्म फरवरी 2021 में हुआ।

अक्षय सर और मेरे बीच एक खास ट्यूनिंग है!

भूमि पेडणेकर

युवा बॉलीवुड स्टार भूमि पेडणेकर के लिए यह मधुर संयोग ही कहा जाएगा कि उनकी फिल्म ‘रक्षाबंधन’ ठीक उसी तारीख पर रिलीज हो रही है जिस दिन ‘टॉयलेट- एक प्रेम कथा!’ रिलीज हुई थी। यह भी एक संयोग ही है कि इन दोनों फिल्मों में उनकी जोड़ी अक्षय कुमार के साथ बनाई गई और ये प्रोजेक्ट उद्देश्यपूर्ण होने के साथ-साथ कमर्शियल सोशल एंटरटेनर भी हैं। भूमि कहती हैं, क्या ही प्यारा संयोग है कि टॉयलेट- एक प्रेम कथा की 5 वीं वर्षगांठ पर अक्षय सर के साथ मेरी दूसरी फिल्म रक्षाबंधन आज सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है! अक्षय सर मेरे करियर का बेहद अहम हिस्सा रहे हैं और मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। अक्षय सर ने स्क्रीन पर बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए हमेशा मेरा साथ दिया है और एक आर्टिस्ट के रूप में मुझ पर जताए गए भरोसे और विजन के लिए मैं उनकी आभारी हूं। वह आगे बताती हैं, अक्षय सर की बदौलत टॉयलेट- एक प्रेम कथा मेरे करियर की पहली ब्लॉकबस्टर थी, और मुझे उम्मीद है कि रक्षाबंधन’ के जरिए हम फिर से एक जबरदस्त हिट फिल्म देंगे। सार्थक मनोरंजन प्रस्तुत करने के लिए अक्षय सर और मेरे बीच एक अनूठी ट्यूनिंग है। टॉयलेट और रक्षाबंधन- दोनों फिल्में दर्शकों को गांठ बांधने लायक कोई न कोई संदेश देती हैं और ऐसी फिल्में आप पूरे परिवार के साथ देख सकते हैं। मुझे फेमिली एंटरटेनर्स पसंद हैं क्योंकि वे भारत में फिल्म देखने वालों के विशाल दर्शक वर्ग को अपील करती हैं। भूमि को भरोसा है कि ‘रक्षाबंधन’ फिल्म दुनिया भर में रहने वाले हर भारतीय के दिल के तार झनझना देगी। वह कहती हैं, मुझे उम्मीद है कि रक्षाबंधन सभी के दिल और रूह को छू लेगी, क्योंकि आनंद एल. राय ने इसे बड़ी पवित्रता और प्यार के साथ बनाया है। आनंद सर ने मुझे मौजूदा एक्टर की शक्ल में ढालने के लिए केंद्रीय भूमिका निभाई है। उन्होंने मुझे हमेशा स्क्रीन पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है। मुझे उम्मीद है कि लोगों को रक्षाबंधन में मेरा काम पसंद आएगा। मैं बेताब हूं कि हर कोई इसे जल्द से जल्द देखे।

आईजीबीसी छात्र अध्याय

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) का हिस्सा इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (IGBC) का गठन वर्ष 2001 में किया गया था। परिषद का दृष्टिकोण "सभी के लिए एक स्थायी निर्मित वातावरण को सक्षम करना और भारत को वैश्विक में से एक बनने की सुविधा प्रदान करना है।

परिषद सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है जिसमें नए हरित भवन रेटिंग कार्यक्रम, प्रमाणन सेवाएं और हरित भवन प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करना शामिल है। परिषद हरित भवनों पर अपने वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम ग्रीन बिल्डिंग कांग्रेस का भी आयोजन करती है।

छात्र अध्याय सदस्यता संसाधनों तक अद्वितीय पहुंच और पहुंच प्रदान करती है, जिससे प्रतिस्पर्धा में बढ़त मिलती है। आईजीबीसी का सदस्य बनने पर संस्थान उन पेशेवरों के समुदाय में शामिल हो जाते हैं जो भारत के लिए हरित भवन पथ का चार्टर बनाते हैं।

छात्र अध्याय की शुरुआत प्रदान करती है::

- नेटवर्किंग के लिए मंच
- हरित भवनों की हिमायत में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर
- स्थानीय अध्याय गतिविधियों में भागीदारी
- हरित भवनों के बारे में जागरूकता पैदा करना।
- प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, बुनियादी ढांचे, जल दक्षता, ऊर्जा दक्षता, घरेलू कचरे के प्रबंधन को संबोधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया।
- रहने वालों के स्वास्थ्य और कल्याण पर ध्यान केंद्रित करता है

छात्र अध्याय समिति-आधारित, सदस्य-संचालित और सर्वसम्मति-केंद्रित गतिविधि है। निर्माण उद्योग के सभी हितधारक जिनमें आर्किटेक्ट, डेवलपर्स, उत्पाद निर्माता, कॉर्पोरेट, सरकार, अकादमिक और नोडल एजेंसियां शामिल हैं, छात्र अध्याय गतिविधियों में भाग लेते हैं। परिषद देश में हरित भवन अवधारणाओं को बढ़ावा देने के लिए कई राज्य सरकारों, केंद्र सरकार, विश्व हरित भवन परिषद, द्विपक्षीय बहु-पक्षीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम करती है। आज सभी प्रकार के भवन हरित मार्ग पर जा रहे हैं- सरकार, आईटी पार्क, कार्यालय, आवासीय, बैंक, हवाई अड्डे, कन्वेंशन सेंटर, संस्थान, अस्पताल, होटल, कारखाने, एसईजेड, टाउनशिप, स्कूल, मेट्रो आदि। आईजीबीसी छात्र का गठन एक संस्था में अध्याय पर्यावरण के प्रति जागरूक पेशेवरों का एक पंथ बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर पहल है।

कोरोना और मानसून से धीमी हुई NH निर्माण की रफ्तार, अब देशभर में रोज 20 किमी सड़क ही बन रही

चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों के दौरान देश में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) निर्माण की गति धीमी होकर 20.43 किलोमीटर प्रतिदिन हो गई है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। पहले प्रतिदिन 37 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग का हो रहा था निर्माणदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण की गति 2020-21 में रिकॉर्ड 37 किलोमीटर प्रतिदिन को छू गई थी, लेकिन कोविड-19 महामारी और देश के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक मानसून के कारण व्यवधान होने से 2021-2022 में यह एक दिन में 28.64 किलोमीटर तक धीमी हो गई।

2022-23 में जुलाई तक 2,493 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने जुलाई 2022 के लिए अपने मासिक सारांश में कहा, मंत्रालय ने 2022-23 में जुलाई तक 2,493 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण किया है जबकि जुलाई 2021-2 तक 2,927 किलोमीटर का निर्माण किया था।

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में अप्रैल-जुलाई के बीच केवल 1,975 किलोमीटर सड़क परियोजनाओं का आवंटन किया गया था, जबकि एक साल पहले की अवधि में 2,434 किलोमीटर सड़क परियोजनाओं का आवंटन किया गया था। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) व राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) देशभर में राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए मुख्य रुप से जिम्मेदार हैं। चालू वित्त वर्ष में 12 हजार किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण का आधिकारिक लक्ष्य 12,000 किलोमीटर रखा गया है। मंत्रालय ने 2019-20 में 10,237 किलोमीटर, 2020-21 में 13,327 किलोमीटर और 2021-22 में 10,457 किलोमीटर का निर्माण किया था।

मास्टरमाइंड की याचिका पर यूपी, दिल्ली और महाराष्ट्र सरकार को नोटिस

सुल्ली डील्स एप बनाने के आरोपी ओंकारेश्वर ठाकुर की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने यूपी और महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी किया है। ठाकुर ने सभी एफआईआर को साथ जोड़ने की मांग की है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अलग-अलग महिलाओं की फोटो डाल कर उनकी नीलामी की बात कही गई। हर केस अलग है। हमें संदेह है कि सभी केस साथ जोड़े जा सकते हैं।

न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र पुलिस को नोटिस जारी कर तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति कौल ने कहा कि नीलामी स्थल पर अपलोड की गई प्रत्येक महिला पीड़ित पक्ष है और ऐसी स्थिति में कई प्राथमिकी दर्ज की जा सकती हैं। बेंच ने कहा, 'अलग-अलग अपराध हैं। एक सुल्ली डील है और दूसरी बुल्लीबाई है। क्या अलग-अलग अपराधों को जोड़ा जा सकता है? आपने कई महिलाओं की तस्वीरें अपलोड की हैं और प्रत्येक एक पीड़ित पक्ष है। आप कह रहे हैं कि इन्हें क्लब किया जाना चाहिए क्योंकि दोनों वेबसाइटें आपकी हैं? पीठ ने ठाकुर की ओर से पेश वकील से पूछा, 'क्या आप कह सकते हैं कि वेबसाइट पर जो कुछ भी अपलोड किया जाता है वह एक प्राथमिकी तक ही सीमित होना चाहिए?' ठाकुर की ओर से पेश हुए वकील ने पीठ से कहा कि उनके मुवक्किल का नाम किसी प्राथमिकी में नहीं है और उन पर आरोप है कि उन्होंने वेबसाइट बनाने में मदद की।

ये हैं देश के सर्वश्रेष्ठ जांचकर्ता, इन 151 पुलिस कर्मियों को मिला ये खास मेडल

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जांच कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 151 पुलिस कर्मियों को केंद्रीय गृह मंत्री के 'मेडल फॉर एक्सीलेंस इन इन्वेस्टिगेशन' प्रदान करने की घोषणा की गई है। इन पदक विजेताओं में विभिन्न राज्यों की पुलिस इकाइयों के अलावा केंद्रीय जांच एजेंसी, जैसे सीबीआई, एनआईए व एनसीबी भी शामिल हैं। गत वर्ष 152 पुलिस पर्सनल को यह सम्मान प्रदान किया गया था। इस बार केंद्रीय जांच एजेंसी 'सीबीआई' को सर्वाधिक 15 मेडल मिले हैं। एनआईए और एनसीबी के खाते में पांच-पांच पदक गए हैं। आंध्र प्रदेश पुलिस को 6, असम पुलिस को 4, बिहार पुलिस को 7, छत्तीसगढ़ पुलिस को 3, गुजरात पुलिस को 6, हरियाणा पुलिस को 4, हिमाचल प्रदेश पुलिस को 1, जम्मू एंड कश्मीर पुलिस को 1, झारखंड पुलिस को 2, कर्नाटक पुलिस को 6, केरल पुलिस को 8, मध्यप्रदेश पुलिस को 10, महाराष्ट्र पुलिस को 11, मणिपुर पुलिस को 1, मेघालय पुलिस को 1, मिजोरम पुलिस को 1, नागालैंड पुलिस को 1, ओडिशा पुलिस को 4, पंजाब पुलिस को 1, राजस्थान पुलिस को 8, तमिलनाडु पुलिस को 5, तेलंगाना पुलिस को 5, त्रिपुरा पुलिस को 1, उत्तर प्रदेश पुलिस को 10, उत्तराखंड पुलिस को 1, पश्चिम बंगाल पुलिस को 8, अंडेमान एंड निकोबार पुलिस को 1, दादरा एंड नगर हवेली पुलिस को 1, दिल्ली पुलिस को 6 और पुदुच्चेरी पुलिस को एक मेडल मिला है।

ममता को बड़ा झटका, उपाध्यक्ष पवन वर्मा ने टीएमसी से दिया इस्तीफा

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ ममता बनर्जी नीत तृणमूल कांग्रेस को शुक्रवार को एक और झटका लगा। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पवन के वर्मा ने आज पद से इस्तीफा दे दिया। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी को भेजे इस्तीफे में वर्मा ने उनसे इसे मंजूर करने का आग्रह किया है। हालांकि, इसमें उन्होंने इस्तीफे की वजह नहीं बताई है। उन्होंने एक ट्वीट में इस्तीफे की जानकारी दी। वर्मा ने ममता बनर्जी को भेजे पत्र में लिखा, 'मेरा इस्तीफा स्वीकार करें। मैं आपके स्नेह और शिष्टाचार के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं आपके संपर्क में रहने के लिए तत्पर हूं। सभी को शुभकामनाएं।' पवन वर्मा पिछले साल ही तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए थे। वे भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी हैं।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।